राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 05 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–223 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा से कहा.....बिकने वाली परिसंपत्तियों की सूची सौंप दें

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सहारा इंडिया को कुल 25,000 करोड़ रुपये के भुगतान में से 10,000 करोड़ रुपये चुकाने के लिए पर्याप्त समय दिया। अदालत ने 2012 में कंपनी को 25,000 करोड़ चुकाने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा, हमें सूचना मिली है कि पूंजी बाजार नियामक के पास सेबी-सहारा फंड में अभी 15,000 करोड़ रुपये हैं। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि बाकी रकम के बारे में पूरी तरह से अस्पष्टता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बेला त्रिवेदी और एमएम सुंदरेश के पीठ ने सहारा के वकील कपिल सिब्बल से पूछा, 10 साल ज्यादा बीत चुके हैं और आपने अभी तक रकम जमा नहीं की है। सेबी बाकी 10,000 करोड़ रुपये मांग रहा है। आप बाकी 10,000 करोड़ रुपये कैसे देने वाले है। सहारा के वकील सिब्बल ने कहा, कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचने के लिए उचित मौका नहीं मिला क्योंकि कोई भी उसकी संपत्तियों पर हाथ डालना नहीं चाहता। इस पर अदालत ने कहा कि आपको पर्याप्त मौके दिए गए। न्यायमूर्ति खन्ना ने स्पष्ट किया कि परिसंपत्तियों की बिक्री पर कोई रोक नहीं है। अदालत ने सहारा को निर्देश दिया कि वह 10,000 करोड़ रुपये चुकाने के लिए जिन परिसंपत्तियों को बेच सकती है उसकी सूची 5 सितंबर तक तैयार करे।

ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में स्टार्टअप लाने की जरूरत पर केंद्रीय मंत्री का जोर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने और युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया। 'ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि 11 से 13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में 120 से अधिक प्रदर्शक शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा, ''ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की आवश्यकता है।'' इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है, जिसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से अधिक दुकानें (स्टॉल) होंगी। 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता इसमें शामिल हो रहे है। यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र और इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के साझेदार फिक्की और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

पुलिस भर्ती में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी भजनलाल सरकार

जयपुर । (एजेंसी)

राजस्थान में भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले लिए गए हैं। महिलाओं को पुलिस विभाग की भर्ती में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट ने राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम 1989 में संशोधन किया है। अब विशेष योग्यजन सरकारी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके आश्रितों में उसके करीबी रिश्तेदार भी शामिल हो सकते है। कर्मचारी के माता-पिता, भाई और बहन में से किसी को भी पेंशन मिल सकेगी। बैठक में अलग-अलग 10 एजेंड़ों पर चर्चा हुई। इसमें पुलिस अधीनस्थ चयन सेवा के नियमों में संशोधन करने सहित कई बड़े फैसले लिए गए हैं।

(पोरबदंर) समुद्र में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो जवान शहीद, दो क्रू सदस्यों को बचाया गया

पोरबंदर . (एजेंसी)

पोरबंदर के निकट समुद्र में एक जहाज को बचाने गए भारतीय तटरक्षक के हेलीकॉप्टर के साथ बड़ा हादसा हो गया है.पोरबंदर के समुद्र में तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और सीधे समुद्र में जा गिरा. इस घटना में दो क्रू सदस्य को बचा लिया गया. जबकि दो जवान शहीद हो गए. काफी तलाश के बाद शहीद हुए दो क्रू सदस्यों मृतदेह बरामद हुए हैं. यह घटना सोमवार की रात पोरबंदर के पास अरब सागर में हुई। कोस्टगार्ड के मुताबिक पोरबंदर से करीब 45 किलोमीटर दूर मोटर टैंकर हरि लीला पर सवार गंभीर रूप से घायल चालक दल को निकालने के लिए सोमवार रात 11 बजे अल्ट्रा लाइट हेलीकॉप्टर को तैनात किया गया था. उस दौरान चालक दल के चार सदस्यों वाले हेलिकॉप्टर को इमर्जंसी लैंडिंग करनी पड़ी और ऑपरेशन के दौरान वह समुद्र में गिर गया. तटरक्षक बल ने हेलीकॉप्टर की तलाश में लिए 4 जहाज और 2 विमान लगाए गए थे. मंगलवार दिनभर चली तलाश के बाद हेलीकॉप्टर के मलबा बरामद हो गया. साथ ही समुद्र में लापता कोस्टगार्ड का एक जवान को भी सुरक्षित निकाल लिया गया. बता दें कि भारतीय तट रक्षक के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ने गुजरात में हाल ही में भारी बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति में 67 लोगों की जान बचाई थी.

जोधपुर में भारत सहित 8 देशों की वायुसेना दिखा रही अपने जौहर

जोधपुर । (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना का सबसे बड़े अभ्यास तरंग-शक्ति की एयर एक्सरसाइज जोधपुर में हो रही है। भारत सहित 8 देशों की वायुसेना के जवान एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड एक्सरसाइज कर रहे हैं। एयर एक्सरसाइज में यूएसए के ए10 ने भारत के सुखोई 30 एमकेआई के साथ उड़ान भरी। वहीं ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स के ईए18 के साथ तेजस ने एयर एक्सरसाइज की।

हवा के साथ ही ग्राउंड लेवल पर भी एक्सरसाइज जारी है। ये एक्सरसाइज 30 अगस्त से 14 सितंबर तक चलेगी। 7 सितंबर को ओपन डे रखा गया है। एक्सरसाइज के तहत पहली बार सूर्यकिरण के 9 हॉक्स ने जोधपुर के आसमान में तिरंगा बनाया। वहीं एयर एक्सरसाइज में अमेरिकी एयरफोर्स प्रमुख भारत का तेजस विमान उड़ाएंगे।

यह एक्सरसाइज 30 अगस्त से शुरू हो चुकी थी। जोधपुर एयरबेस से भारतीय लड़ाकू विमानों के साथ अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के सहायक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरने के साथ टारगेट फिक्स किए। वायुसेना के सुखोई 30 एमकेआई के साथ अमेरिका के ए10 वॉटहॉग ने उड़ान भरी। अमेरिका का ए 10 क्लोज एयर सपोर्ट एयरक्राफ्ट है, जो जमीन पर मौजूद सेना को सहायता देने के लिए विशेष तौर पर अमेरिकी एयरफोर्स के लिए तैयार किया गया है। एयर एक्सरसाइज में भारत के स्वदेशी तेजस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ईए 18 ग्रावलर्स ने उड़ान भरी। यह इलेक्ट्रॉनिक अटैक एयरक्राफ्ट है, जो रडार, कम्युनिकेशन सहित अन्य मिलिट्री इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को खराब कर देता है। आयोजन में सुखोई 30 एमकेआई का भी सोलो डिस्प्ले होगा। करीब 17 देश ऑब्जर्वर के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश भी अपनी वायुसेना के ऑफिसर को ऑब्जर्वर के रूप में भेजेगा। श्रीलंका एयरफोर्स के जवान सी 130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के साथ पहुंच रहे है।

महाराष्ट्र में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश का होगा विकास

मुंबई । (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को महिलाओं के हक के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश की प्रगति और विकास होगा। उन्होंने महिलाओं से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी कहा। वहीं, राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर में विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की मुख्यमंत्री माझी लडकी बहिन योजना और शाशान आपल्या दारी कार्यक्रमों के लाभार्थियों को मुर्मू ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण से महिलाओं का व्यक्तिगत विकास होगा, जो देश की आबादी का आधा हिस्सा हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 25 लाख

महिलाओं को लखपति दीदी (प्रति वर्ष एक लाख रुपये से अधिक कमाने वाली महिलाएं) बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि वह यह जानकार खुश हैं कि 13 लाख महिलाओं को पहले ही लखपति दीदी बनाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने लखपति दीदी के लक्ष्य को एक करोड़ से संशोधित कर तीन करोड़ कर दिया है। मुर्मू ने महिलाओं से अपने परिवारों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा, अगर आप समृद्ध और स्वस्थ रहेंगे तो देश का विकास होगा और प्रगति होगी।

देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही

उन्होंने कहा, पुरुषों को महिलाओं की क्षमता को समझना चाहिए और उन्हें अपने सपनों तथा आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए। देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

4 लाख की आबादी वाला देश ब्रुनेई....राजा बोल्किया के नाम अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

भारत से 7,486 किलोमीटर दूर एक आईलैंड बोर्नियो है। इस पर 3 देश बसे हैं, जिसमें में से एक है ब्रुनेई। ये एक इस्लामिक देश है, जहां सिर्फ 4 लाख लोग रहते हैं। पीएम मोदी इसी देश के दौरे पर हैं। यहां के राजा हसनल बोल्किया ने प्रधानमंत्री मोदी को न्यौता दिया था। आज तक भारत का कोई प्रधानमंत्री ब्रुनेई के दौरे पर नहीं गया था। फिर एक ओर साउथ चाइना सी और दूसरी ओर मलेशिया से घिरा है। हसनल बोल्कैया इज्नी उमर अली सैफुद्दीन ब्रुनेई के 29वें सुल्तान हैं। 1984 में अंग्रेजों के जाने के बाद से वे ब्रुनेई के प्रधानमंत्री पद पर भी हैं। फिलहाल वे सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले शासकों में से एक हैं। उन्होंने 2017 में 50 साल राज करने पर गोल्डन जुबली मनाई थी। ब्रुनेई जैसे छोटे से देश में सुल्तान सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होने के साथ-साथ सबसे अमीर शख्स में भी शामिल हैं। 1980 तक वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। फोर्ब्स के मुताबिक, बोल्कैया की कुल संपत्ति 28 बिलियन डॉलर (2 लाख 35 हजार करोड़ रुपए) है।

दल-बदल में अयोग्य पूर्व विधायकों की पेंशन होगी बंद

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विधेयक पास

शिमला। (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश में दल-बदल के कारण अयोग्य घोषित पूर्व विधायकों की पेंशन बंद करने की तैयारी है। पेंशन के अधिकार से वंचित होने पर पूर्व विधायकों से पिछली रकम की भी वसूली होगी। दल-बदल को हतोत्साहित करने के लिए बुधवार को हिमाचल विधानसभा में विधानसभा सदस्यों के भत्ते और पेंशन विधेयक पास हुआ। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को विधानसभा में यह संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक सदन में बुधवार को चर्चा के बाद पास किया गया।

विधेयक पारित के बाद अब राज्यपाल से मंजूरी के बाद यह कानून का रूप ले लेगा। इसमें व्यवस्था की गई है कि किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी कोई व्यक्ति अधिनियम के अंतर्गत पेंशन का हकदार नहीं होगा, यदि उसे संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन किसी भी समय अयोग्य घोषित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इस उपधारा के अधीन पेंशन के अधिकार से वंचित हो जाता है तो उसकी ओर से पहले से ली गई पेंशन ऐसी रीति से वसूली जाएगी, जैसे निर्धारित किया जाएगा।

विधेयक में ये बताए कारण

विधेयक में संशोधन के कारण स्पष्ट करते हुए लिखा कि विधानसभा सदस्यों के भत्ते-पेंशन प्रदान करने के दृष्टिगत अधिनियमित किया गया था। वर्तमान में भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन विधायी सदस्यों के दलबदल को हतोत्साहित करने के लिए अधिनियम में कोई उपबंध नहीं है। इसलिए सांविधानिक उद्देश्य के लिए राज्य के लोगों की ओर से दिए जनादेश की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

देश में ऐसा पहला कानून

सियासी संकट से उबरने के बाद सरकार ने इस तरह का कानून बनाने का एक कड़ा फैसला लिया है। विस अध्यक्ष ने छह कांग्रेस विधायकों सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, देवेंद्र कुमार भुट्टो, चैतन्य शर्मा, रवि ठाकुर और इंद्रदत्त लखनपाल को प्रलोभन में आकर दल बदलने के आरोप में अयोग्य घोषित कर दिया था।

सुधीर और लखनपाल तो उपचुनाव लडक़र भाजपा से विधायक बन गए, लेकिन राणा, भुट्टो, चैतन्य और रवि ठाकुर नहीं जीत पाए, जो अयोग्य घोषित पूर्व विधायकों की श्रेणी में हैं।

राजस्थान में बारिश का कहर.....

.रेलवे लाइन को नुकसान, पांच डैमों के गेट खोल दिए गए

जयपुर। (एजेंसी)

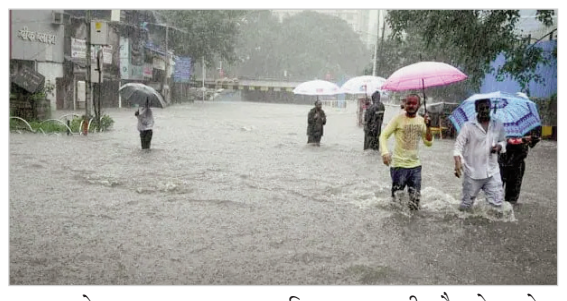

राजस्थान में फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। जोधपुर, उदयपुर में बीते दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। जोधपुर में भारी बारिश से चामुंडा नदी उफान पर है।वहीं जोधपुर-जैसलमेर रेलवे लाइन के नीचे से मिट्टी बहने के कारण ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। बुधवार सुबह से यहां दो ट्रेन कैंसिल हुई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में रोका गया है। वहीं, जोधपुर शहर में भी नदियों की तरह पानी बह रहा है। इधर, उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी बुधवार सुबह 7 बजे लंबा जाम लग गया। जगह-जगह पानी भरने से वाहनों की कई किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। दोपहर करीब सवा 1 बजे जाम खुला। लगातार बरसात के कारण बांसवाड़ा, डूंगरपुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में बड़े डैम के गेट खोले गए हैं। पाली के सोजत में सुकड़ी नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ने के कारण बाइक सवार बुआ-भतीजा रपट पर बह गए। पास में श्मशान में दाह संस्कार के लिए आए लोगों ने तौलियों की रस्सी बनाकर 20 मिनट की मशक्कत के बाद दोनों को बचाया। फिलहाल, बागड़ी और सोजत रोड के बीच रास्ते को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है। वहीं टोंक में भी भारी बरसात के कारण चाकल नदी उफान पर है। नदी की रपट पर एक युवक बाइक सहित फंस गया। युवक को करीब 11 घंटे बाद बुधवार सुबह निकाला गया। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 7 सितंबर तक राजस्थान में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जाहिर की है।

हमारी सरकार बनी तो पहला काम राज्य का दर्जा वापस दिलाना

रामबन की रैली में राहुल गांधी बोले- बीजेपी-आरएसएस फैला रहे नफरत

रामबन। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। जम्मू-कश्मीर के रामबन की रैली में राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा, बेरोजगारी, बिजली समस्या और देश में फैली नफरत को लेकर अपनी बात शुरु की।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीना गया है। एक राज्य को खत्म कर दिया और लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में बीजेपी और आरएसएस के लोग नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। उनका काम नफरत फैलाना है और हमारा काम मोहब्बत फैलाने का है। वह तोड़ते हैं और हम जोड़ते हैं। नफरत को मोहब्बत से ही हराया जा सकता है। आखिर में मोहब्बत की ही जीत होती है। पहले नरेंद्र मोदी छाती फैलाकर आते थे और अब झुककर आते हैं। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार स्टेटहुड छीना गया है। राहुल गांधी ने रैली में मौजूद जनता से कहा कि आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में राजा हैं, उनका नाम एलजी है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और चुनाव जम्मू-कश्मीर के राज्य बनने के बाद हों लेकिन बीजेपी ऐसा नहीं चाहती है वे चाहते थे कि पहले चुनाव हो जाएं और फिर राज्य के दर्जे पर बात हो। बीजेपी चाहे या न चाहे, इंडिया गठबंधन उन पर दबाव बनाएगा और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलवाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की गठबंधन सरकार यहां सत्ता में आने वाली है। हम सभी सरकारी रिक्त पदों को भरेंगे और आयु सीमा को 40 साल तक बढ़ाएंगे, हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित और स्थायी करेंगे और हम उनकी आय बढ़ाएंगे। हमारा लक्ष्य सबको साथ लेकर जम्मू-कश्मीर की सरकार चलाना होगा, सभी का सम्मान होना चाहिए, हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार केवल अडाणी और अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर में देश के बाकी हिस्सों से ज्यादा बेरोजगारी है। कभी मोदीजी समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी किसी राजनेता को गले लगाते हैं लेकिन वह कभी बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करते। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार सत्ता में आने वाली है।

उन्होंने कहा कि अब नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की जनता से डरते हैं और अब थोड़ा सा वक्त बचा है, हम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को सरकार से हटा देंगे। हम चाहते हैं कि देश में भाईचारा हो, सबकी इज्जत हो, एक-दूसरे के साथ अच्छे से बात हो। एक दूसरे के धर्म का सम्मान हो। देश में नफरत नहीं मोहब्बत का मौहाल हो। राहुल ने कहा कि घाटी इतनी खूबसूरत जगह है, मुझे चुनाव के बाद यहां आना ही पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुरक्षा पर सियासत

सारे राजनीतिक भेद-मतभेद जैसे अचानक ही खत्म हो गए। मंगलवार को जब पश्चिम बंगाल विधानसभा में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपराजिता विधेयक पेश किया गया, तो पक्ष-विपक्ष सब एक साथ खड़े दिखाई दिए। विधेयक को सर्वसम्मति से पास किया गया। ममता बनर्जी ने विपक्ष के विधायकों से कहा कि वे राज्यपाल से इस विधेयक को स्वीकृति देने का अनुरोध करें, ताकि इसे आगे राष्ट्रपति के पास भेजा जा सके। विपक्ष के नेता भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने तो राज्यपाल से इसकी अपील भी कर दी। पिछले कुछ दिनों में कोलकाता की सड़कों ने एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद जिस तरह की राजनीति और गुंडागर्दी देखी है, उसके बाद इस तरह की आम सहमति एक उम्मीद बंधा सकती थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। विधेयक भले ही सर्वसम्मति से पास हुआ हो, पर जिस तरह की राजनीति वहां दिखी, वह किसी भी तरह से आश्वस्त करने वाली नहीं थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो दूसरे राज्यों में हुए बलात्कारों की पूरी फेहरिस्त ही पेश कर दी। वह इतने पर ही नहीं रुकीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस तर्क के साथ इस्तीफे की मांग कर डाली कि वे महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम रहे हैं। याद रहे, भाजपा नेता कोलकाता अस्पताल बलात्कार और हत्या के मामले में कई दिनों से ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। सो, मुख्यमंत्री ने सोचा कि इसका राजनीतिक जवाब थोक भाव में इस्तीफे की मांग कर ही दिया जा सकता है। अब आते हैं अपराजिता विधेयक पर। निश्चित तौर पर इसमें कुछ बातें बहुत अच्छी हैं। यह विधेयक इसे स्पष्ट तौर पर कहता है कि अगर किसी का बलात्कार करके हत्या कर दी जाती है या फिर बलात्कारी उसे पूरी तरह अक्षम बना देता है, तो इसके दोषी को मृत्युदंड ही दिया जाना चाहिए। ठीक यहीं पर हमें थोड़ा रुककर 2012 के निर्भया कांड को याद कर लेना चाहिए, जिसके बाद बलात्कार से संबंधित कानूनों में बदलाव के लिए जस्टिस जेएस वर्मा आयोग की स्थापना हुई थी। इस आयोग ने बहुत बड़े विमर्श के बाद बहुत ही कम समय में अपनी रिपोर्ट दी थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। मगर क्या हुआ? अगर हम निर्भया कांड के दोषियों को छोड़ दें, तो बाद में किसी भी बलात्कारी को कभी मृत्युदंड नहीं दिया गया। इस विधेयक में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर किसी को बलात्कार के लिए आजीवन कारावास होता है, तो उसे इस सजा के दौरान किसी भी तरह की पेरोल या फरलो नहीं दी जाए। हाल-फिलहाल के बहुत सारे संदर्भ बताते हैं कि कानून में इस तरह के प्रावधान कितने जरूरी हैं। कानूनों में खामियां हो सकती हैं, लेकिन उससे ज्यादा खतरनाक है बलात्कार पर होने वाली राजनीति। राजनीति में बलात्कार को अक्सर राजनीतिक औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। जो कोलकाता के कांड पर हल्ला मचा रहे हैं, वे बदलापुर की घटनाओं पर चुप्पी लगा जाते हैं और जो बदलापुर पर चिल्ला रहे हैं, वे कोलकाता की वारदात पर कुछ नहीं बोलते। बलात्कार की हर वारदात के बाद जनता का गुस्सा राजनीति के इन आरोपों-प्रत्यारोपों के आगे दम तोड़ देता है। बलात्कार पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसे लेकर कोई आम सहमति बनाने की कोशिश क्यों नहीं होती?

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

(लेखक - ललित गर्ग/ईएमएस)

शिक्षक दिवस- 5 सितम्बर 2024 पर विशेष

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में 'एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी 'ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है। नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- ''भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।''

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना।

शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है। नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात् विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

ज्ञान के दीपक होते हैं शिक्षक

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष

कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया है:-

卐गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट卐

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दुनियां के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है।

विचार मंथन

सेबी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी की कसौटी में

(लेखक - सनत जैन)

सेबी अर्थात भारतीय प्रतिभूति- विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन श्रीमती माधवी बुच के उपर लगे आरोपों ने, देश के वित्तीय और राजनीतिक माहौल में तूफ़ान पैदा कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के सवालों ने सेबी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता, माधवी बुच के कामकाज को लेकर गंभीर आरोप लगाकर सेबी के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। श्रीमती बुच, सेबी में आने के पहले आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थीं। सेबी में उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवन खेड़ा का आरोप है, कि उन्होंने सेबी की पूर्णकालिक निदेशक बनने के बाद, आईसीआईसीआई बैंक से आर्थिक लाभ प्राप्त किए हैं। जो कि नियमों के खिलाफ हैं। अगर ये आरोप सही हैं तो माधवी बुच को सेबी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। वह इस्तीफा नहीं देती हैं, तो सरकार को उन्हें हटाना ही पड़ेगा। सेबी जैसी संस्था के कामकाज, निष्पक्षता और ईमानदारी को लेकर जो आरोप लगे हैं वह नियामक संस्था सेबी के लिए एक बड़ा काला धब्बा साबित हो सकता है। देश के पूंजी बाजार की निगरानी और छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सेबी के कामकाज को लेकर पहली बार इतने बड़े गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जो आरोप लगे हैं, क्या इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? अब तक सरकार, या सेबी प्रमुख श्रीमती बुच की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। जिससे जनता के मन में संदेह बढ़ता जा रहा है। ज़ी न्यूज़ के प्रमुख सुभाष चन्द्रा, पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भी बड़े गंभीर आरोप माधवी बुच की कार्य प्रणाली को लेकर लगाए हैं। उन्होंने तो रिश्वत का सीधा आरोप भी लगा दिया है। ऐसी स्थिति में क्या यह संभव है, एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच शुरू हो जाएगी। सरकार ने जिस तरीके की चुप्पी साध रखी है। सेबी प्रमुख की ओर से भी कोई सफाई नहीं आ रही है। सरकार जिस तरीके से माधवी बुच का बचाव कर रही है। इतने भयंकर आरोप क्या राजनीतिक रस्साकशी में उलझकर रह जाएंगे? सरकार और संबंधित संस्थानों पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दोषियों को दंड मिले। सेबी जैसी संस्था की साख और देश के करोड़ों निवेशकों का विश्वास बनाए रखना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक है। सेवी के कामकाज पारदर्शिता और जवाबदेही की संवैधानिकता और निष्पक्षता बनाए रखना जरुरी है। सरकार द्वारा तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बचा पाना मुश्किल हो सकता है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थानों का बहुत बड़ा निवेश शेयर बाजार में है। बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थानों, म्युचुअल फंड एवं छोटे निवेशकों के खरबों रुपयों के निवेश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष माध्यम से शेयर बाजार में निवेष हैं। जिस तरह की गड़बड़ी सामने आ रही है। यदि यह आरोप सच साबित हुए, तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भयंकर तूफान आना तय है। दुनिया के देश वैसे भी भयंकर आर्थिक मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय पर शेयर बाजार की कोई भी अस्थिरता अर्थ व्यवस्था को तहस-नहस कर सकती है। आने वाले दिनों में क्या यह सब देखने को मिलेगा? आरोपों का क्या नतीजा निकलता है। देश की जनता इसका जवाब चाहती है। हिडनबर्ग ने जो आरोप इसके पूर्व लगाए थे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जो जांच की जा रही थी। अभी तक वह जांच पूरी नहीं हो पाई है। अब इस मामले में खुद सेवी प्रमुख माधवी बुच पर दस्तावेजी आरोप लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आरोप सही हैं या गलत, इसका खुलासा निष्पक्ष जांच के माध्यम से ही सम्भव है। यह जांच जेपीसी के बिना संभव नहीं है। सेवी को विशिष्ट संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। सेबी प्रमुख की जांच ईडी और सीबीआई भी नहीं कर सकती है। पहले भी शेयर बाजार से संबंधित घोटाले की जांच जेपीसी के माध्यम से हुई है। जल्द ही सरकार को इसकी घोषणा करनी चाहिए, अन्यथा गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के मुकाबले अगस्त में बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ी। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार दिखाई दिया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम अंक का आशय संकुचन दिखाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। सर्वेक्षण में कहा गया, ''भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही। जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही।'' वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही। इस बीच, एचएसबीस इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई की तरह ही अगस्त में भी 60.7 रहा। अगस्त के सर्वेक्षण के आंकड़ों से यह भी पता चला कि भारतीय वस्तुओं तथा सेवाओं के लिए दाम जुलाई की तुलना में कम बढ़े।

मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करेगा एक्स

नई दिल्ली । अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी एक्स अब आपके मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करने जा रही है। अब यूजर्स अपने टीवी पर एक्स को चला सकेंगे। एक्स के मालिक एलन मस्क ने कन्फर्म भी कर दिया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि एक्स टीवी ऐप का बीटा वर्जन एंड्रॉइड टीवी के लिए पहले ही लाइव किया जा चुका है। बीटा वर्जन अभी एलजी, अमेज़ॅन फायर टीवी और गूगल टीवी जैसे डिवाइस पर लाइव है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि यह ऐप अभी और भी ज्यादा डिवाइस पर आने वाली है। हालांकि, ऐप किस दिन लॉन्च होगी उस तिथि की पुष्टि नहीं की गई है लेकिन यह अलग-अलग डिवाइसों पर अलग-अलग समय पर आ सकता है। बीटा वर्जन के लिए भी ऐसा ही किया गया है। अमेजन में यह ऐप उनके डिवाइस पर जुलाई के अंत में ही आ गयी थी जबकि एलजी पर यह 29 अगस्त को आई। नेटफ्लिक्स और अन्य ओटीटी ऐप की तरह एक्स भी अब टीवी पर देखा जा सकेगा।

केंद्र सरकार जीआईसी में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये के भाव में बेचेगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये प्रति शेयर के भाव में बेचेगी। ओएफएस के तहत 11.90 करोड़ से अधिक शेयर यानी 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी जाएगी। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुलेगी। खुदरा निवेशक बृहस्पतिवार को बोली लगा सकेंगे। शेयर बिक्री से 395 रुपये प्रति इक्विटी के भाव पर सरकारी खजाने को लगभग 4,700 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सरकार के पास वर्तमान में जीआईसी में 85.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जीआईसी अक्टूबर, 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। सरकार ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से 9,685 करोड़ रुपये जुटाए थे। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''जनरल इंश्योरेंस कॉपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) के लिए बिक्री पेशकश कल खुलेगी। गैर-खुदरा निवेशक बोली लगा सकेंगे जबकि खुदरा और जीआईसी के कर्मचारी बृहस्पतिवार को बोली लगाएंगे। न्यूनतम शेयर भाव मंगलवार को बंद भाव से 6.23 प्रतिशत कम है। सरकार 3.39 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही जबकि ज्यादा बोली आने पर 3.39 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का विकल्प रखा गया है।

भारत में कार्यस्थल पर 58 फीसदी लोग करते हैं थका-थका महसूस

रिपोर्ट में खुलासा- बातचीत और लगातार सहयोग से होती है थकान

नई दिल्ली।

फिक्की-बीसीजी रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि कम से कम 58 फीसदी भारतीय लोग सुस्ती और कार्यस्थल पर थकान महसूस करते हैं, जो वैश्विक औसत 48 फीसदी के मुकाबले काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की साझा रिपोर्ट 'इंडिया एचआर रिवोल्यूशनः बिल्डिंग वर्कप्लेस फॉर द फ्यूचर' में कहा गया है कि भारतीय लोगों में थकावट ज्यादा काम करने से नहीं बल्कि लगातार सहयोग और बातचीत की बढ़ती जरूरत के कारण होती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते सहयोगात्मक पदचिह्न ने तनाव के स्तर को बढ़ाने में मदद की है क्योंकि इसमें किसी भी काम को पूरा करने के लिए ज्यादा और बार-बार बातचीत की जरूरत होती है। इसमें कई छोटी, नियमित बातचीत भी शामिल हैं, जिन्हें सूक्ष्म तनाव के तौर पर परिभाषित किया गया है और ये कर्मचारियों को महत्त्वपूर्ण तौर पर प्रभावित करते हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि थकावट और समावेशन के लिए निरुत्साहित रहने के बीच गहरा संबंध है। अगर किसी कर्मचारी को ऐसा लगता है कि वह अपने कार्यस्थल पर ज्यादा सक्रिय है और कंपनी या संस्था भी उसकी मदद के लिए तत्पर है तो उसे कम थकावट महसूस होती है। समावेशन सिर्फ भर्ती से काफी आगे तक होना चाहिए और इसमें कर्मचारियों की बातों को लगातार सुनना और उनकी समस्याओं को हल करना शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों के प्रति गहरी समझ हासिल करनी चाहिए जिस तरह वे अपने ग्राहकों को समझते हैं, ताकि उन्हें भी खुश, प्रेरित और अपने साथ बनाए रखा जा सके। संस्था या संगठन को यह मूल्यांकन करना चाहिए कि वे इन भावनाओं पर कितना खरा उतरते हैं, कमी का पता लगाना चाहिए और सभी कर्मचारियों की मदद के लिए उनके बच्चों की देखभाल वाली सेवाओं, वित्तीय परामर्श और लचीली काम की अवधि जैसी सुविधाएं प्रदान करना चाहिए।

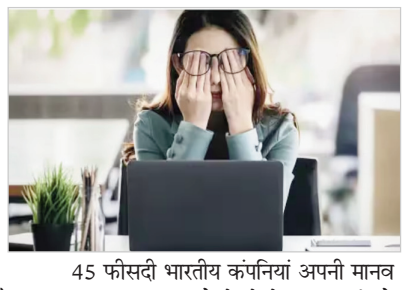

रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि संस्था या संगठन अब अपनी मानव संसाधन (एचआर) प्रक्रियाओं में भी जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) को लागू करना चाहते हैं। करीब 45 फीसदी भारतीय कंपनियां अपनी मानव संसाधन प्रक्रियाओं में जेनरेटिव एआई को लागू कर चुकी हैं या संचालित कर रही हैं। जेन एआई के साथ करीब 93 फीसदी कंपनियों ने बेहतर दक्षता और उत्पादकता दर्शाई है।

बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर : इरडा

नई दिल्ली ।

बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। बीमा नियामक आईआरडीएआई के सदस्य (वितरण) के मुताबिक, जीवन बीमा से जुड़ी शिकायतें अक्सर उत्पादों से जुड़ी होती हैं मगर गैर जीवन बीमा की शिकायतें आमतौर पर दावों के भुगतान से संबंधित होती हैं। एक कार्यक्रम में अधिकारी ने कहा, 'जीवन बीमा में शिकायत उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री के लिए है और मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। आईआरडीएआई की वित्त वर्ष 2023 की सालाना रिपोर्ट में बीमा भरोसा पोर्टल पर आई शिकायतों के बारे में दिए ब्यौरे के मुताबिक जीवन बीमा कंपनियों के पास कुल 1,24,293 शिकायतें आई थीं, इसमें से अनुचित व्यापार दस्तूर से जुड़ी शिकायतों की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। वहीं गैर जीवन बीमाकर्ताओं को 78,347 शिकायतें मिलीं, इसमें दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतों की तादाद 66 फीसदी थी। जीवन बीमा क्षेत्र के मुकाबले दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतें गैर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए अधिक हैं। इनमें दावों को खारिज करने से लेकर कम दावा राशि का भुगतान शामिल है। अधिकतर शिकायतें स्वास्थ्य बीमा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के लिए कैशलेस सुविधाएं तैयार करने में स्वास्थ्य मंत्रालय, बीमा नियामक और अन्य हितधारकों के प्रयासों से यह सुनिश्चित होने की संभावना है कि आबादी का बड़ा हिस्सा जल्द ही स्वास्थ्य बीमा के दायरे में आ जाए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.32 फीसदी 81.15 अंक नीचे आकर 25,198.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 202.80 अंक नीचे आकर 82,352.64 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में केवल 11 शेयर जबकि निफ्टी में 18 शेयर ही आज बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं

इंट्रा डे कारोबार के दौरान आज सेंसेक्स 82,408.54 के उच्च 81,833.69 के नियम स्तर जबकि निफ्टी 25,216 के उच्च और 25,083.80 के निचले स्तर पर रहा था। बीएसई पर आज कुल 4,047 शेयरों में कारोबार हुआ इसमें से 2,043 शेयरों में गिरावट आई जबकि, निफ्टी पर कुल 2804 में से 1,401 शेयरों में गिरावट रही। माना जा रहा है कि ये गिरावट अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग डेटा के नीचे आने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंकाओं से आई है। इसी का विपरीत प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। अब निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का इंतजार कर रहे हैं।

सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो शेयर बाजार में आज ज्यादातर सेक्टर्स में गिरावट रही। आज सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक में आई। पीएसयू बैंक के शेयर 1.69 फीसदी नीचे आये। इसके बाद निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.75फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में बढ़त रही। निफ्टी फार्मा में 0.74फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी में 0.41फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.74फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.08 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स 0.82 फीसदी की बढ़त रही।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी में एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। एशियन पेंट्स के शेयर 2.50 फीसदी की बढ़त के साथ 3,233.80 के स्तर पर बंद हुए। वहीं इंट्रा डे कारोबार में इसके शेयर 3,252 के उच्च स्तर तक पहुंच गए थे।

इसके अलावा अन्य शीर्ष शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, सनफार्मा, अपोलो हॉस्पिटल्स, डिविज लैब , हीरो मोटोकॉर्प जैसे शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर विप्रो के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। विप्रो का शेयर आज 3.06 फीसदी की गिरावट के साथ 519.65 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को, एलटीआई माइंडट्री, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। जानकारों के अनुसार गत पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका के चलते कमजोर मैन्युफैक्चरिंग डेटा के बाद भारी बिकवाली हुई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 710 अंक या 0.86 फीसदी की भारी गिरावट के साथ ही 81,845 पर खुला। वहीं, दूसरी तरफ 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 175 अंक या 0.69 फीसदी नीचे आकर 25,104 पर खुला।

गिफ्ट निफ्टी वायदा सुबह 7ः05 बजे 25,171 पर कारोबार कर रहा था, निफ्टी वायदा के पिछले बंद भाव से लगभग 200 अंक नीचे था, जिससे इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 के गिरावट के साथ कारोबार करने लगा।

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में एफडीआई ने दिखाया दम

- इस साल अप्रैल-जून में 47.8 फीसदी बढ़कर 16.17 अरब डॉलर पर रहा

नई दिल्ली।

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से एफडीआई बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एफडीआई 47.8 फीसदी बढ़कर 16.17 अरब डॉलर रहा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून के दौरान एफडीआई प्रवाह 10.94 अरब डॉलर था। मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इस अवधि में 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर था। एफडीआई प्रवाह अप्रैल में मामूली गिरावट के साथ 4.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 अरब डॉलर था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों की माने तो कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 फीसदी बढ़कर 22.49 अरब डॉलर रहा, जो वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून में 17.56 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है। इस अवधि में मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, केमैन द्वीप और साइप्रस समेत प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह बढ़ा। हालांकि, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी से एफडीआई में कमी आई है। अगर क्षेत्रवार देखा जाए तो सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, औषधि और रसायन क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा 8.48 अरब डॉलर का पूंजी निवेश मिला। इसके बाद कर्नाटक 2.28 अरब डॉलर, तेलंगाना 1.08 अरब डॉलर और गुजरात 1.02 अरब डॉलर का स्थान रहा। दिल्ली और राजस्थान में पिछले साल की तुलना में एफडीआई में गिरावट आई है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबल बुधवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 84.02 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भारतीय रुपया 83.96 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में रुपया 83.74 पर खुला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार में गिरावट ने भी रुपये पर दबाव डाला। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 101.73 अंक पर रहा।

वाहनों की स्क्रैपिंग और नए वाहन खरीदी पर छूट ग्राहकों को पसंद नहीं

विशेषज्ञों ने कहा- प्रोत्साहन 10 फीसदी बढ़ाने से आएगा सार्थक बदलाव

नई दिल्ली।

वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए वाहन विनिर्माताओं द्वारा दी गई छूट ग्राहकों को लुभाने के लिए काफी नहीं है। वाहन क्षेत्र के विशेषज्ञों का तर्क है कि उपभोक्ताओं को अपने मौजूदा वाहन चलाते रहने या उन्हें किसी को बेचने से ज्यादा दाम मिल सकता है, जिससे स्क्रैपिंग का विकल्प कम आकर्षक बन जाएगा। वाणिज्यिक और यात्री वाहन विनिर्माताओं ने हाल ही में नए वाहन खरीदने पर एक्स-शोरूम कीमत पर 1.5 फीसदी से 3.5 फीसदी तक की छूट देना शुरू किया है। अगर ग्राहक पुराने वाहन को स्क्रैप करते हैं, तो उन्हें यह छूट मिलेगी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रोत्साहन को करीब 10 फीसदी तक बढ़ाने से व्यावहारिक रूप में ज्यादा सार्थक बदलाव आएगा।

एसऐंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के निदेशक ने कहा कि मौजूदा प्रोत्साहन उपभोक्ताओं को अपनी कारों को बेचने या उनका इस्तेमाल जारी रखने के बजाय स्क्रैपिंग का विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बहुत से लोग अपने पुराने वाहनों को मुख्य रूप से इसलिए रखते हैं क्योंकि उनके पास नई खरीदारी के लिए पैसा कम होता है।

उन्होंने कहा कि अगर इस प्रोत्साहन को 10 फीसदी तक बढ़ा दिया जाए, जैसा कि चीन में देखा गया है, तो यह उपभोक्ता व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। मारुति सुजूकी, टाटा मोटर्स और हुण्डैय मोटर समेत देश की प्रमुख कार विनिर्माताओं को छूट के साथ बेचे गए वाहनों की कुल संख्या के बारे में भेजे गए सवाल के संबंध में खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं मिला है। एक अगस्त, 2022 से 45 हजार से कम निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है, जो इस कार्यक्रम की धीमी रफ्तार को दर्शाता है।

घरेलू बाजार में सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के वायदा भाव की आज बढ़त के साथ शुरुआत हुई। वहीं चांदी के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव आज 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेजी से शुरुआत हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 19 रुपये की तेजी के साथ 71,400 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,466 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,400 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 94 रुपये की गिरावट के साथ 83,158 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 103 रुपये की कमी के साथ 83,149 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 83,208 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 83,128 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,524.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,523 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 3.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,526.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.39 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 28.34 डॉलर था।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ा दिया है। पहले वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने के अनुमान जताया था। अब वर्ल्ड बैंक ने अपने अनुमान को अपडेट करते हुए भारतीय इकनॉमी के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है।

बता दें कि जीडीपी ग्रोथ में गिरावट की वजह लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में कमी और खपत रुकना मानी जा रही है। केंद्रीय बैंक आरबीआई ने जून तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया था। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में गिरावट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत रह गई। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि कृषि क्षेत्र में सुधार और ग्रामीण मांग में वृद्धि से भारत की अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। वर्ल्ड बैंक की तरफ से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में कहा कि भारत की ग्रोथ रेट 2024-25 में 7 प्रतिशत पर मजबूत रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि कृषि में सुधार से उद्योग में मामूली नरमी आंशिक रूप से कम हो जाएगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सर्विस सेक्टर मजबूत बना रहेगा और कृषि में अपेक्षित सुधार की बदौलत ग्रामीण निजी खपत में सुधार होगा। भारत की अप्रैल-जून तिमाही के लिए अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.7प्रतिशत की दर से बढ़ी।

501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली ।

बीते दिनों ईथर एनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में मीट रिज्टा कार्यक्रम में कुल 501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी करके नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी का दावा है कि यह कंपनी के इतिहास में एक दिन में सबसे बड़ी डिलीवरी है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाग लेने वाले ग्राहकों ने कहा कि इससे उन्हें ब्रांड की उन्नत तकनीक और डिजाइन दर्शन का गहरा अनुभव और गहरी समझ मिली है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग, इलेक्ट्रिक वाहनों के शौकीन और नए रिज्टा मालिक शामिल थे। नया ईथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर तीन वेरिएंट्स- एस, झेड और रिज्टा झेड (लॉन्ग रेंज) में उपलब्ध है। 2.9केडब्ल्यूएच एस मॉडल की कीमत 1,10,156 रुपये, 2.9केडब्ल्यूएच झेड मॉडल की कीमत 1,25,156 रुपये और 3.7केडब्ल्यूएच टॉप मॉडल झेड की कीमत 1,45,157 रुपये एक्स-शोरूम है। बता दें कि ईथर रिज्टा फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर इसी साल अप्रैल में लॉन्च किया गया था। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लोगों का खूब प्यार मिल रहा है।

दलीप ट्रॉफी: लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करने वाले ऋषभ पंत पर होगी नजरें

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होंगे।

पंत ने चोटों से उबरने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी की लेकिन वह अभी तक लंबी अवधि के प्रारूप में नहीं खेले हैं। उन्होंने लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन यह चार दिवसीय टूर्नामेंट उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश करेगा क्योंकि उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबा समय मैदान पर बिताना पड़ सकता है। पंत को टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर नियुक्त किया गया है

जिससे पता चलता है कि भारत के टेस्ट क्रिकेट में आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इस विकेटकीपर बल्लेबाज की वापसी को लेकर कितनी गंभीर है।

चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पदार्पण श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है।

चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सिराज अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे जबकि शमी अभी ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में चयनकर्ता बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप पर पैनी नजर रखेंगे। इनके अलावा अर्शदीप सिंह, अवेश खान, खलील अहमद, विदवथ कावेरप्पा, वैसाख विजयकुमार और हर्षित राणा भी चयन समिति को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत ए : शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा , कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन।

भारत सी : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल, संदीप वारियर।

भारत डी : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, इशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत, सौरभ कुमार।

विश्व चैंपियन सचिन खिलाड़ी ने पैरालिंपिक में जीता सिल्वर पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारत के सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने बुधवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्धा में 16.32 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड दूरी के साथ अपने पैरालिंपिक रजत को विश्व खिताब में जोड़ा। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे प्रयास में दिन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल किया और 16.30 मीटर के अपने पहले के एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने मई में जापान में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतते हुए बनाया था।

कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38 मीटर के थ्रो के साथ अपने टोक्यो पैरालिंपिक स्वर्ण का बचाव किया। क्रोएशिया के लुका बाकोविच ने 16.27 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। खिलाड़ी का रजत मौजूदा खेलों में पैरा-एथलेटिक्स से 11वां पदक है। उन्होंने पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ46 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनकी भुजाओं में कमजोरी है, मांसपेशियों की शक्ति क्षीण है या भुजाओं में निष्क्रिय गति की सीमा क्षीण है, तथा एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

ईशान किशन का दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

बेंगलुरु (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण गुरुवार को यहां दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलना संदिग्ध लग रहा है। किशन को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारत डी में शामिल किया गया है जो पहले दौर में अनंतपुर में भारत सी से भिड़ेगी।

पता चला है कि किशन को हाल में कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में झारखंड के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। संजू सैमसन को उनकी जगह शामिल करने की बात भी चल रही थी लेकिन पूरी उम्मीद है कि केएस भरत पहले दौर में भारत डी के लिए विकेटकीपिंग करेंगे। किशन अभी तक अनंतपुर नहीं पहुंचे हैं।

भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा इस साल के शुरू में हुई सर्जरी से उबर रहे हैं और वह भी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत बी के खिलाफ होने वाले पहले दौर के मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। कई मुख्य खिलाड़ी चोटों के कारण दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। इससे पहले सूर्यकुमार यादव बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई के लिए खेलते हुए लगी हाथ में चोट के कारण पहले दौर का मैच नहीं खेलेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमार होने के कारण टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे जबकि आल राउंडर रविंद्र जडेजा को भारत बी ने रिलीज कर दिया है लेकिन इसका कारण पता नहीं है। तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भारत बी में सिराज की जगह लेंगे जबकि पुडुचेरी के तेज गेंदबाज गौरव यादव भारत सी में मलिक के स्थान पर उतरेंगे।

आईपीएल 2025: आईपीएल में सालों बाद राहुल द्रविड़ की वापसी, राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ की सालों बाद आईपीएल में वापसी हो गई है। दरअसल, राहुल द्रविड़ को राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ को आईपीएल 2025 से पहले टीम का कोच बना दिया गया है। द्रविड़न ने राजस्थान रॉयल्स के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ अपने आईपीएल करियर के दौरान राजस्थान टीम के कप्तान रह चुके हैं। इसके बाद वह टीम के मेंटर भी रहे।

क्रिकइंफो की एक खबर के मुताबिक राजस्थान ने द्रविड़ को हेड कोच बनाया है। उन्होंने राजस्थान के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ हेड कोच बनने के बाद मेगा ऑक्शन के दौरान अहम भूमिका निभाएंगे। उनका टीम के साथ काफी अच्छा रिश्ता रहा है। कप्तान संजू सैमसन भी द्रविड़ के काफी करीब रहे हैं।

बता दें कि, राहुल द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मेंटर भी रहे हैं। उनका आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। वे आईपीएल 2012 और 2013 में राजस्थान टीम के कप्तान भी रहे। इसके बाद दो साल और जुड़े रहे। इसके बाद 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ जुड़ गए।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह भारतीय टीम के साथ होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में हमेशा ही दोनो टीमों में कड़ा मुकाबला रहा है। इस साल के अंत में भारतीय टीम इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में हमेशा ही मुकाबला बराबरी का रहा है। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखी है। इस दौरान भारतीय टीम ने साल 2018/19 और 2020/21 में हुए मुकाबले जीते हैं। कमिंस ने माना है कि पिछले कुछ समय से इसमें भारतीय टीम हावी रही है पर कहा कि इसके बाद भी उनकी टीम का दावा कमजोर नहीं माना जा सकता है। कप्तान ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं , इसके साथ ही उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। उनका मानना है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उनकी टीम ने भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने कहा, ये सही है कि पिछली दो सीरीज में हम सफल नहीं रहे पर अब काफी समय हो गया है। अब अपनी पिछली गलतियों को इस बार ठीक करेंगे। आप जानते ही होंगे कि हमने उनके खिलाफ कई बार खेला है, जहां उन्होंने हमें हराया है पर हमने भी उनके खिलाफ कई बड़ी जीत दर्ज की है, जिससे हमारा मनोबल बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश से हार पड़ी भारी, 1965 के बाद पहली बार सबसे निचले स्तर पर पहुंची पाकिस्तान टेस्ट टीम

दुबई । बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट श्रृंखला गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है।'

वेबसाइट के अनुसार, 'पाकिस्तान की टीम श्रृंखला से पहले छठे स्थान पर थी लेकिन लगातार हार के कारण वह वेस्टइंडीज से नीचे आठवें स्थान पर पहुंच गई है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद पहली बार इतने कम रेटिंग अंकों पर पहुंचा है।' बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नौवें स्थान पर बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में उसको फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में आएंगे नजर, इस टीम के मुख्य कोच बनेंगे

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनने जा रहे हैं। जून में बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद ब्रेक लेने वाले द्रविड़ इस साल के आखिर में होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन जैसे अहम मसलों पर काम करना शुरू करेंगे। एक सूत्र ने बताया, 'बातचीत आखिरी चरण में है और वह जल्दी ही मुख्य कोच का पद संभालेंगे।' पिछले तीन साल से रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक पद पर काबिज कुमार संगकारा इस भूमिका में बने रहेंगे। द्रविड़ 2012 और 2013 में रॉयल्स के कप्तान थे और दो साल मेंटोर भी रहे। इसके बाद वह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े और बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख रहे। द्रविड़ 2021 में एनसीए से निकलकर रवि शास्त्री की जगह भारतीय टीम के मुख्य कोच बने। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार द्रविड़ के कार्यकाल में भारत के बल्लेबाजी कोच रहे विक्रम राठौड़ रॉयल्स के सहायक कोच बन सकते हैं।

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं, टूर पर एक और सत्र खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की। शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेली जायेगी।

पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी

ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आएं।'

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूं।'

भाविनाबेन पटेल पैरालम्पिक गेम्स में टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल से बाहर

पेरिस। पेरिस पैरालम्पिक महिला एकल टेबल टेनिस में भारत की चुनौती खत्म हो गई जब तोक्यो पैरालम्पिक की रजत पदक विजेता भाविनाबेन पटेल क्लास 4 क्वार्टर फाइनल में चीन की यिंग झोउ से हार गई। तोक्यो पैरालम्पिक में रजत के साथ इस खेल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी भाविनाबेन को 12.14, 9.11, 11.8, 6.11 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले क्लास 3 में भारत की सोनलबेन पटेल को क्रोएशिया की एंडेला मुजिनिच विंसेटिच ने हराया। महिला युगल में भारत की भाविनाबेन और सोनलबेन क्वार्टर फाइनल में कोरिया की यंग ए जुंग और एस मून से हार गई। भाविनाबेन एक साल की उम्र से पोलियो से जूझ रही है। वह व्हीलचेयर पर निर्भर खिलाड़ियों की श्रेणी में खेलती हैं।

अंकोला की जगह रात्रा बने बीसीसीआई चयनसमिति के सदस्य

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राष्ट्रीय चयन समिति में बदलाव करते हुए सलिल अंकोला की जगह पर पूर्व क्रिकेटर अजय रात्रा को चयनकर्ता बनाया है। अब रात्रा अजीत आगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का हिस्सा बन गये हैं। चयनसमिति में पांच क्षेत्रों के पांच सदस्य होते हैं। रात्रा इस कमेटी में उत्तरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। रात्रा 5 सितंबर से दलीप ट्रॉफी के साथ ही कामकाज शुरु करेंगे। भारतीय टीम को अगली सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। रात्रा इस सीरीज के लिए चयन समिति की बैठक में रहेंगे। रात्रा ने भारतीय टीम की ओर से 6 टेस्ट मैच और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनके नाम वेस्टइंडीज में एक शतक भी है। रात्रा ने क्रिकेट से संन्यास के बाद कोच के तौर पर काम किया। वह असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य कोच रहे हैं। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई भारतीय टीम में भी कोचिंग स्टाफ के तौर पर शामिल थे। रात्रा का करियर जिस साल शुरू हुआ, उसी साल खत्म भी हो गया. उन्होंने भारत के लिए पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में 19 जनवरी 2002 को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद इसी साल इंग्लैंड के ही खिलाफ सितंबर में अंतिम टेस्ट मैच खेला।

आईएसएल में बेंगलुरू एफसी की कप्तानी करेंगे छेत्री

बेंगलुरू । आईएसएल 2024-25 सत्र की शुरुआत 13 सितंबर को यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जाइंट के बीच मुकाबले से होगी। इसमें भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री भी खेलते हुए दिखेंगे। छेत्री की कप्तानी में बेंगलुरू एफसी 14 सितंबर को बेंगलुरू में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दिग्गज खिलाड़ी छेत्री ने कहा है कि कहा कि आईएसएल उनकी पसंदीदा लीग है और इसमें खेलना उन्हें हमेशा ही अच्छा लगता रहा है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले जब ये लगी शुरु हुई थी तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि ये इतनी तेजी से आगे बढ़ेगी साथ ही कहा कि इस लीग के आने के बाद नई प्रतिभाएं उभरी हैं ओर नई टीमें भी सामने आई हैं। छेत्री ने कहा, ''यह शानदार रहा है। 10 साल पहले अगर मेरे से पूछा जाता कि आईएसएल कहां पहुंचेगा या भारतीय फुटबॉल में इसका क्या स्थान होगा तो शायद मैं बता नहीं पाता। यह आठ क्लबों की दो महीने लंबी लीग से लेकर अब पूरे साल चलने वाली लीग बन गयी है इसे कई अच्छे खिलाड़ी निकले हैं।''

अब एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में 8 से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में अब भारतीय टीम अपना खिताब बनाये रखने उतरेगी। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भी भाग लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनकी टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण जीतकर अपना खिताब बरकरार रखना है। हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक पदक से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर अब टीम उसी को याद करने की जगह आगे के मुकाबलों पर ध्यान दे रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी इसमें भारतीय टीम को 8 सितंबर को चीन से खेलना है। इसके बाद उसे नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना करना है। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा । भारत ने अब तक ये चार बार जबकि पाकिस्तान ने तीन बार एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। पिछली बार भारत ने मलेशिया को हराकर खिताब जीता था।

हरमनप्रीत ने कहा कि हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक के बाद खिलाड़ियों का आराम के लिए समय मिला था जिससे अब वे तरोताजा हो गये हैं। ऐसे में अब टीम की नजरें इस ट्रॉफी पर लगी हैं। हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक समाप्त कर उनकी टीम एशियाई टीमों का मुकाबला करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा पर हॉकी काफी करीबी खेल है। हम पिछले अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते, हमें हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।'' इस ट्रॉफी में इस बार भी भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : बाबर आजम पांच साल में पहली बार शीर्ष 10 से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ लगातार असफलताओं के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए हैं। दिसंबर 2019 के बाद पहली बार बाबर शीर्ष 10 से बाहर हुए हैं, जब वे 13वें स्थान पर थे। बाबर की गिरावट के बाद शीर्ष 10 में पाकिस्तान के एकमात्र बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बाबर आजम चार पारियों में सिर्फ 64 रन बना पाए। घरेलू मैदान पर 2-0 से करारी हार के बाद पाकिस्तान ICC की नई टेस्ट रैंकिंग में 8वें स्थान पर खिसक गया। पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में बाबर का संघर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने दिसंबर 2022 के बाद से कोई शतक नहीं बनाया है और लाल गेंद के प्रारूप में अपनी पिछली 16 पारियों में एक भी अर्धशतक दर्ज करने में विफल रहे हैं।

29 वर्षीय खिलाड़ी की खराब फॉर्म ने पाकिस्तान के घरेलू प्रदर्शन को प्रतिबिंबित किया है, जिसमें टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से हार गई, जो टाइगर्स के खिलाफ उनकी पहली टेस्ट हार थी। दूसरे टेस्ट मैच में, पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 26/6 पर झकझोर दिया, लेकिन मौके का फायदा उठाने में असमर्थ रहे जिससे बांग्लादेश ने मैच पर नियंत्रण कर लिया।

बल्लेबाजी चार्ट में इंग्लैंड के जो रूट का दबदबा कायम है। रूट के 922 रैंकिंग पॉइंट हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 63 ज़्यादा हैं। रूट के पास अपना खुद का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है जो जुलाई 2022 में भारत के खिलाफ एजबेस्टन में शतक लगाने के बाद हासिल की गई 923 रेटिंग से सिर्फ एक अंक दूर है। श्रीलंका के खिलाफ रूट शानदार फॉर्म में हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की प्रत्येक पारी में दो शतकों के साथ रूट ने टेस्ट में सबसे ज़्यादा शतकों का नया ऑल-टाइम इंग्लैंड रिकॉर्ड बनाते हुए एलेस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया। रूट ने अपने अंकों की संख्या 34 तक पहुंचाई।

न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के हैरी ब्रूक शीर्ष 5 में शामिल हैं। रोहित शर्मा छठे स्थान पर शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं, उनके बाद यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली क्रमशः 7वें और 8वें स्थान पर हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाजों के पास 19 सितंबर से घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने रेटिंग अंक बढ़ाने का मौका है।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग - 4 सितंबर तक

1. जो रूट - 922 रेटिंग अंक
2. केन विलियमसन - 859
3. डेरिल मिशेल - 768
4. स्टीव स्मिथ - 757
5. हैरी ब्रूक - 753
6. रोहित शर्मा - 751
7. यशस्वी जायसवाल - 740
8. विराट कोहली - 737
9. उस्मान ख्वाजा - 728
10. मोहम्मद रिजवान - 720

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

शिक्षक दिवस

मिट्टी के समान शिष्य को गुरु ही शिक्षा से मानव बनाता

5 सितम्बर शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार ''शिक्षक'' का स्मरण मान सम्मान औपचारिक रूप से किया जाता हैं। केवल एक दिवस के मान-सम्मान से शिक्षक पूरे वर्ष संतुष्ट एवं खुश रहने में ही अपना बडप्पन महसूस कर जीता रहता हैं। पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

प्राचीन समय गुरू महिमा से मंडित था । उस युग में सच्चे अर्थो में गुरू समाज निर्माता के रूप में पूजनीय था। शिक्षा व्यवस्था उच्च कोटि की थी, और शिष्य गुरू के चरणों में, गुरू एवं गुरूमाता की सेवा में रहकर अपने आप को गौरवान्वित करता था। सच्चें अर्थो में केवल किताबी ज्ञान ही नही दिया जाता था, वरन् सम्पूर्ण जीवन की विद्याओं को विकसित किया जाता था जिससे जीवन के हर क्षैत्र में कही कोई कमी या कच्चापन न रह सकें। इसका गुरू पूरा ध्यान रखता था। गुरू के चरणों में ही रहकर भगवान के अवतार श्रीराम-कृष्ण ने सम्पूर्ण जीवन की शिक्षा पाई थी। यही कारण है कि आज भी उस समय के गुरू-शिष्य संबंधो को उच्च आदर्श के रूप में देखा जाता हैं। ऐसे शिष्यों के कारण आज गुरू विश्वामित्र, सांदिपनी, द्रोणाचार्य, चाणक्य आदि को अमरत्व का दर्जा मिला हुआ हैं।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू शिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

अर्वाचीन भारत जगत गुरू के रूप में जाना जाता हैं। इन्ही गुरूओं ने हमें वेद, पुराण, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, गीता, कुरान, बाईबिल, गुरूग्रंथ साहिब सरीखे अमूल्य उपहार - रत्न हमें दियें हैं, जों आज हमारी ही नही विश्व-शान्ति के रूप में अपना सर्वोच्च स्थान बनाये हुए हैं।

गुरू महिमा इसी से सिद्ध होती हैं कि

'' गुरू-गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पांय।
बलहारी गुरू आपकी , गोविन्द दियो बताय।। अर्थात गुरू और गोविन्द (भगवान) दोनों पास-पास खडें हैं शिष्य के मन में यह दुविधा है कि पहले किसके पांव पडू। ऐसी दुविधा को गोविन्द(भगवान) ने सरलता से समाधान निकाल दिया है कि पहले गुरू के श्रीचरणों में नमन करो, बाद में मेरे (गोविन्द) चरणों में नमन करो।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू षिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

इसे कहते है '' गुरू '' गुरू को इस रूप में भी महत्व प्राप्त हैं-

साधु ऐसा चाहिये, जैसे सुप सुभाय,
सार-सार गहि लहै, थोथा देय उडाय।।

गुरू को साधु रूप में महत्व प्रदान किया गया हैं, जो सार को ग्रहण कर थोथा यानि व्यर्थ और हल्की वस्तु को उड़ा देता हैं। अर्थात् शिष्य के मन मस्तिष्क में व्यर्थ और अज्ञान को पास में फटकने नही देता।

गुरू(शिक्षक) को इस तरह भी याद किया जाता हैं-

गुरू उस कुंभकार की तरह है जो अपनी कृति(मटकी) को बाहर से चोट मारता हैं और भीतर से संभालता सहलाता हैं। गुरू अनुशासन प्रिय होता हैं। बाहर से वह कितना ही कठोर क्यों न हो भीतर से वह कुंभकार की तरह ही होता हैं। आधुनिक युग में शिक्षक (गुरू) अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा हैं, जो मान सम्मान उसे अपने शिष्य एवं समाज से प्राप्त होना चाहिये , उसके लियें वह तरस रहा हैं। अपने अल्पवेतन के सहारे अपना जीवन व्यापन करने को मजबूर हो रहा हैं। अनुशासन की छड़ी उसके हाथ से छीन ली गई हैं, जिसके कारण वह प्राय: तिरस्कृत एवं अपमानित होता हैं। आज शिक्षा का स्वरूप बदलता जा रहा हैं। आज शिक्षा बेची जा रही हैं। जगह जगह षिक्षा के नाम पर पैसे कमाने वाली मशीन की तरह गली कूंचे में शिक्षा की दुकाने खुली हुई हैं। आज शिक्षा अर्थोपार्जन का आधार बनती जा रही हैं। यही कारण हैं कि जिसके पास पैसा है वही नीजी संस्थाओं मे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा हैं, और जो श्रीहीन हैं वे उच्च शिक्षा से वंचित हो रहें हैं।

यदि शिक्षक समाज में उचित मान सम्मान मिले, प्रोत्साहन मिलें, परिवार-पोषण की चिंता से वह मुक्त हो जाय तो वह वास्तविक रूप में राष्ट्रनिर्माता बन सकता हैं। समाज और राष्ट्र को सही दिशा दे सकता हैं, जिसकी आज समाज एवं राष्ट्र को खास जरूरत हैं।

गुरू ब्रह्मा , गुरूं विष्णु, गुरूं देवो महेश्वर:।
गुरूं साक्षत् परब्रह्मा:, तस्में श्री गुरूवे नम:।।

क्या ऐसा कभी हो सकेगा कि समाज और राष्ट्र इसका उत्तर खोजेगा?

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण के युग मे शिक्षको को भी अपने दायित्व को भली-भॉति निर्वहन करना होगा। अपनी चिर परिचित प्रतिष्ठा और गौरव की रक्षार्थ शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को समझना होगा।

जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात्त भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात्त वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम्' था।

प्राचीन भारतीय शिक्षा दर्शन

जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन के मध्य वैषम्य की कोई कल्पना नहीं की जा सकती है। वे एक-दूसरे के पूरक हैं और एक-दूसरे को प्रभावित भी करते हैं। जीवन-दर्शन की दृष्टि से प्राचीन भारतीय दर्शन के विभिन्न कालों के बीच गहरी रेखायें नहीं खींची जा सकती हैं। प्राचीन भारत की संस्कृति शाश्वत और सतत् रही है, अविभाज्य रही है। विद्वानों ने वैदिक संस्कृति से महाकाव्य (रामायण और महाभारत) कालीन संस्कृति में प्राथक्य स्थापित करने के प्रयत्न किये हैं, किन्तु बाद वाले काल में भी वैदिक संस्कृति और जीवन शैली का स्पष्ट प्रभाव है; साम्य भी है। वैदिक जीवन शैली महाकाव्यकालीन जीवन शैली में प्राचुर्य है। यह सत्य है कि रामायण और महाभारत में वर्णित कुछ जीवन पद्धतियाँ वैदिक काल में नहीं हैं। अत- वेदकालीन जीवन-दर्शन का अस्तित्व पृथक से स्वीकार किया जा सकता है। इसी तारतम्य में यदि हम महाकाव्यकालीन युग का पृथक अस्तित्व भी स्वीकार करते हैं तब भी वैदिक संस्कारों का युग में भी विद्यमान होना स्वीकार करना ही होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारत के इतिहास को एक इकाई के रूप में होना चाहिए। इसी तारतम्य में प्राचीन भारतीय शिक्षा-दर्शन को भी सर्वप्रथम एक इकाई के रूप में ही मान्य किया जाना चाहिए। यह हो सकता है कि सूक्ष्म दृष्टि से विचार करने के लिए उपर्युक्त दोनों युगों की सीमायें निर्धारित की जायें किन्तु विशेषकर बाद वाले युग में प्रथम युग की इतनी अधिक विशेषतायें विद्यमान हैं कि दोनों युगों के जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन पर एक साथ विचार करना भी उपयोगी होगा।

प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन धर्ममय था। जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात्त भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात्त वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम्' था। जीवन का उद्देश्य धर्म था। धर्ममय जीवन भौतिक उपलब्धियों से श्रेष्ठ माना जाता था।

प्राचीन भारत का शिक्षा-दर्शन भी धर्म से ही प्रभावित था। शिक्षा का उद्देश्य धर्माचरण की वृत्ति जाग्रत करना था। शिक्षा, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए थी। इनका

क्रमिक विकास ही शिक्षा का एकमात्र लक्ष्य था। धर्म का सर्वप्रथम स्थान था। धर्म से विपरीत होकर अर्थ लाभ करना मोक्ष प्राप्ति का मार्ग अवरुद्ध करना था। मोक्ष जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य था और यही शिक्षा का भी अन्तिम लक्ष्य था। प्राचीन काल में जीवन-दर्शन ने शिक्षा के उद्देश्यों को निर्धारित किया था। जीवन की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का प्रभाव शिक्षा दर्शन पर भी पड़ा था। उस काल के शिक्षकों, ऋषियों आदि ने चित्त-वृत्ति-निरोध को शिक्षा का उद्देश्य माना था। शिक्षा का लक्ष्य यह भी था कि आध्यात्मिक मूल्यों का विकास हो। उस समय भौतिक सुविधाओं के विकास की ओर ध्यान देना किंचित भी आवश्यक नहीं था क्योंकि भूमि धन-धान्य से पूर्ण थी, भूमि पर जनसंख्या का भार नहीं था। किन्तु इसका यह भी अर्थ नहीं था कि लोकोपयोगी शिक्षा का आभाव था। प्रथमत- लोकोपयोगी शिक्षा परिवार में, परिवार के मध्यम से ही सम्पन्न हो जाती थीं। वंश की परंपरायें थीं और ये परम्परायें पिता से पुत्र को हस्तान्तरित होती रहती थीं। व्यवसायों के क्षेत्र में प्रतियोगिता नहीं के बराबर थीं। सभी के लिए काम उपलब्ध था। सभी की आवश्यकताएँ पूर्ण हो जाती थीं।

चाहे वैदिक युग में हो अथवा महाकाव्य काल में हो, प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति में ऋषिगण समाज के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। वे सभी शिक्षक के समधर्मी थे। वे सदा ही आध्यात्मिक सत्ता के गुण गाते थे। उनका जीवन भौतिकता से मुक्त और आध्यात्मिकता में लिप्त रहता था। समाज को भी वे यही शिक्षा और मार्गदर्शन देते थे। वैदिक काल से प्रारम्भ होकर, महाकाव्य काल में यह जीवन-दर्शन परवान चढ़ा। इस प्रकार प्राचीन काल में भारतीय जीवन-दर्शन पूर्णत- आध्यात्मिक रहा और शिक्षा को भी यही दिशा मिली। गुरु परंपरा अत्यंत ही महत्वपूर्ण रही। वेदों का प्रादुर्भाव भी गुरु परंपरा से ही हुआ। तत्पश्चात भी शिक्षा गुरु परम्परा के माध्यम से ही दी जाती रही।

यद्यपि व्यवसायों का शिक्षण अधिकतर गृह प्रांगण में ही होता था किन्तु गुरु-गृह भी गृहस्थी की शिक्षा के समुन्नत केन्द्र थे। भारत उस काल में भी कृषि प्रधान देश था। कृषि, वनोपज और पशुपालन का शिक्षण प्राय- गुरु-गृह में निवास कर प्राप्त होता था। मानव प्रकृति की गोद से दूर नहीं रहता था। गुरु-गृह अधिकतर बस्तियों से दूर रहते थे। उनमें रहने वाले विद्याभ्यामी प्रकृति के प्रांगण में निवास करते थे, विचरते थे, शिक्षा प्राप्त करते थे और अभ्यास एवं अनुप्रयोग करते थे। चाहे धनवान-पुत्र हो या निर्धन-पुत्र, कृषि कार्य एवं वनवास और वनविचरण के कार्यों एवं प्रवृत्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त करते थे। दोनों ही वर्ग के शिर्ष्यों के लिए ऐसे कार्यों द्वारा श्रम का गौरव आत्मसात करना और व्यवहार में लाना उपयोगी माना जाता था। श्रम का गौरव समाज में पूर्णरूपेण प्रतिष्ठित और महिमा मण्डित था। इसके अतिरिक्त सेवा-कार्य को भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त था। गुरु-गृह में गुरु, गुरु-परिवार तथा सहपाठियों की सेवा को उत्कृष्ट कार्य माना जाता था। गुरु की गायों की सेवा भी शिष्य का कर्त्तव्य था। गुरुकुल में मानवोपयोगी पशुओं की संख्या सैकड़ों और हजारों में होती थी।

सामूहिकता का अत्याधिक महत्व था। गुरु सैकड़ों की संख्या में गौपालन इसलिए नहीं करता था कि उसे निजी लाभ हो और उसका परिवार भौतिक सुविधायें भोग सके अपितु इस उद्यम का लाभ गुरुकुल में निवास करने वाले सभी शिष्य आदिवासियों को मिलता था। छान्दोग्य उपनिषद् में महासन्त सत्यकाम की कथा का वर्णन है। प्रारम्भ में तो वे गुरु की गौवों की रक्षा में रत रहते थे बाद में उनकी देख-रेख में सहस्त्र गायों का पालन करते थे। विभिन्न प्रकार के दानों में गौदान का सार्वाधिक महत्व था। गौदान को स्वर्णदान से भी अधिक महान माना जाता था। शिक्षा की आर्थिक व्यवस्था में गोधन सर्वोपरि था। गृहस्थाश्रम के लिए उपयुक्त इस शिक्षा की पृष्ठभूमि में वही सिद्धान्त था जिसको वर्तमान में हम 'क्रिया से शिक्षा' की संज्ञा देते हैं। उच्चतम शिक्षा में भी 'शारीरिक श्रम' और 'क्रिया' का अत्याधिक महत्व था। आध्यात्मिक उन्नति में संलग्न ऋषि एवं शिष्य भी शारीरिक श्रम से दूर नहीं रहते थे।

इसका यही अर्थ है कि शिक्षा केवल सैद्धान्तिक नहीं थी।

व्यवहार और वास्तविकता का भी शिक्षा से उतना ही गहन संबंध था जितना सैद्धांतिक अध्ययन-अध्यापन का। किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझा जाता था। ऋग्वेद में ऐसे उदाहरण हैं कि ऋषि स्वयं कवि थे, उनके पिता चिकित्सक थे, उनकी माता उपल प्रक्षिणी अर्थात् आटा पीसने वाली थी और परिवार के तीनों ही सदस्य शिक्षा दान में कार्यरत थे।

क्रिया द्वारा शिक्षा के लिए जीवन एक प्रयोगशाला के समान था। ऋषि कुल में जीवनयापन के मध्य शिक्षा संबंधी प्रयोग और परीक्षण सम्पन्न होते थे।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला, हिरासत में 15 लोग

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया गया। हमलावर कुछ युवक थे जो दक्षिणपंथी तुर्की युवा समूह के सदस्य हैं। स्थानीय गवर्नर के कार्यालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले में शामिल 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तुर्किये के युवा संघ (टीजीबी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, हमने अमेरिका के सबसे बड़े हमलावर जहाज यूएसएस वास्प पर तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। अमेरिकी सैनिकों के हाथ हमारे सैनिकों और हजारों फिलिस्तीनियों के खून से सने हुए हैं। इसलिए वे हमारे देश को अपवित्र नहीं कर सकते। जब भी आप इस जमीन पर कदम रखेंगे। हम आपका ऐसा ही स्वागत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। टीजीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। वहीं, तुर्किये स्थित अमेरिकी दूतावास ने हमले की पुष्टि की और कहा कि सैनिक अब सुरक्षित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, हम उन रिपोर्टों की पुष्टि करते हैं कि अमेरिका वास्प पर सवार अमेरिकी सेवा सदस्य आज इजमिर में हुए हमले के शिकार हुए थे, लेकिन अब वह सुरक्षित हैं। हम तुर्किये अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं, उन्होंने इसमें तत्काल कार्रवाई की। तुर्किये मीडिया रिपोर्टों ने इजमिर गवर्नर के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रवादी पार्टी की युवा विंग के सदस्यों ने कोनक सिटी में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। उन्होंने बयान में कहा कि घटना के बाद पांच अमेरिकी सैनिकों ने हस्तक्षेप किया। सभी 15 हमलावरों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पोप फ्रांसिस ने शुरू की अपनी सबसे लंबी यात्रा, सर्वप्रथम पहुंचे इंडोनेशिया

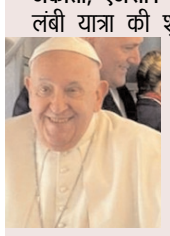

जकार्ता, एजेंसी। पोप फ्रांसिस अपनी सबसे लंबी यात्रा की शुरुआत में मंगलवार को इंडोनेशिया पहुंचे और इस दौरान उनके कैथोलिक समुदाय को प्रोत्साहित करने तथा दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश में अंतरधार्मिक सद्भाव की परंपरा को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। पोप फ्रांसिस के रोम से रात भर की विमान यात्रा के कारण मंगलवार को जकार्ता में विश्राम करने की योजना है। वह पापुआ न्यू गिनी, ईस्ट टिमोर और सिंगापुर भी जाएंगे। बहरहाल, वेटिकन ने कहा कि 87 वर्षीय पोप मंगलवार को जकार्ता में वेटिकन आवास में शरणार्थियों, प्रवासियों और बीमार व्यक्तियों के एक समूह से मुलाकात करेंगे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पोप का स्वागत करते हुए एक बयान में कहा, ''इंडोनेशिया और वेटिकन की शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ-साथ मानवता के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिबद्धता है। फ्रांसिस बृहस्पतिवार को जकार्ता की ऐतिहासिक इस्तिकलाल मस्जिद में एक अंतरधार्मिक बैठक में भाग लेंगे जिनमें इंडोनेशिया में आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त छह धर्मों - इस्लाम, बौद्ध, कन्फ्यूशीवाद, हिंदू, कैथोलिक धर्म और प्रोटेस्टेंटवाद के प्रतिनिधि भाग लेंगे। पोप पॉल षष्टम के 1970 और सेंट जॉन पॉल द्वितीय के 1989 में इंडोनेशिया की यात्रा के बाद फ्रांसिस इस देश की यात्रा करने वाले तीसरे पोप हैं। यह ईसाई-मुस्लिम संवाद और कैथोलिक व्यवसायों दोनों के संदर्भ में वेटिकन के लिए इंडोनेशिया के महत्व को रेखांकित करता है।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में आत्मघाती हमला, 6 लोगों की मौत; 13 घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पास सोमवार को एक आत्मघाती हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। काबुल के पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि विस्फोट काबुल के दक्षिण-पश्चिमी काला बख्तियार इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक महिला भी शामिल है, जबकि 13 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और अभी तक किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जारदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा, आज दोपहर एक व्यक्ति अपने शरीर विस्फोटक बांधकर विस्फोट कर दिया। दुर्भाग्य से एक महिला समेत छह नागरिक मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए।

राष्ट्रपति मादुरो पर सवाल उठाने वाले गोंजालेज की मुश्किलें बढ़ीं; कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी

कारावास, एजेंसी। वेनेजुएला में लगातार सियासी हंगामा जारी है। जुलाई में जबसे राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, तब से निकोलस मादुरो और एडमुंडो गोंजालेज एक दूसरे पर हमला करना जारी रखे हैं। इस बीच, यहां की एक अदालत ने सोमवार को विपक्षी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार गोंजालेज के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अभियोजक कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर कहा कि अदालत ने गंभीर अपराधों के लिए गोंजालेज के खिलाफ वारंट के लिए उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। बता दें, कार्यालय ने इससे पहले सोशल मीडिया पर न्यायालय को भेजे गए अपने अनुरोध को जारी किया था, जिसमें उसने उन कथित अपराधों को सूचीबद्ध किया था, जो विपक्ष के इन आरोपों से उठा था कि मादुरो और उनके सहयोगियों ने 28 जुलाई के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली की थी।

मतदान परिणामों को देखे बिना नतीजों को मानने से इनकार कर दिया है।

तीसरी बार राष्ट्रपति बने हैं निकोलस मादुरो : गौरतलब है, वेनेजुएला में हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी हुई। वह लगातार तीसरी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए हैं। हालांकि, विपक्ष लगातार चुनाव में धांधली के आरोप लगा रहा है। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई लैटिन अमेरिकी देशों ने के आधार पर चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी, जिन्हें व्यापक रूप से मनगढ़ंत बताया गया था। वह भी मतदान के बाद से ज्यादातर समय छिपी रही हैं, हालांकि उन्होंने मादुरो के खिलाफ कई संगठित विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया है। विपक्ष ने अपने मतदान केंद्र के चुनाव परिणाम प्रकाशित किए, जिसके अनुसार गोंजालेज उरुतिया ने भारी मतों से जीत हासिल की। अब गोंजालेज में जो आरोप लगे हैं वो सार्वजनिक कार्यों का अधिग्रहण, सार्वजनिक दस्तावेज की जालसाजी, अवज्ञा के लिए उकसाना, तोड़फोड़, तथा संगठित अपराध और आतंकवाद के वित्तपोषकों के साथ संबंध हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति का प्राइवेट जेट जब्त किया : अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का लग्जरी जेट जब्त कर लिया है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि इस जेट को फर्जी तरीके से खरीदा गया था और तस्करी के जरिए अमेरिका से बाहर ले जाया गया था। मादुरो के लग्जरी जेट डसॉल्ट फाल्कन 900ईएक्स को डोमिनिकन रिपब्लिक में जब्त किया गया। ये कैरिबियन सागर में स्थित लैटिन अमेरिकी देश है। सीएनएन के मुताबिक अमेरिकी अधिकारी सोमवार को विमान अमेरिका लेकर चले गए।

विमान खरीदने के लिए शेल कंपनी का इस्तेमाल : डसॉल्ट फाल्कन 900ईएक्स की कीमत 13 मिलियन डॉलर (करीब 110 करोड़ रुपए) है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि 2022 के अंत और 2023 की शुरुआत के बीच मादुरो से जुड़े लोगों ने अपनी पहचान छुपा कर इस लग्जरी जेट को खरीदा था।

इसके लिए उन्होंने एक कैरिबियाई शेल कंपनी का इस्तेमाल किया था। वे अप्रैल 2023 में अवैध रूप से विमान को लेकर चले गए। अमेरिका और वेनेजुएला सरकार के बीच व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध है। रिपोर्ट के मुताबिक मादुरो का जेट सैन मैरिनो में रजिस्टर्ड था। वेनेजुएला पीएम ने इस विमान का कई विदेशी यात्राओं में इस्तेमाल किया। प्राइवेट जेट पहले अमेरिका में रजिस्टर्ड था और इसका मालिकाना हक फ्लोरिडा में सिक्स जी एविएशन के पास था। यह एक ब्रोकर है जो इस्तेमाल किए हुए विमानों को खरीदता-बेचता है। रिकॉर्ड के मुताबिक विमान को खरीदने के लिए सेंट विसेंट एंड ग्रेनेडाइंस देश का पता बताया गया था। बाद में इसे सैन मैरिनो में रजिस्टर्ड कर वेनेजुएला भेज दिया गया। अमेरिका ने धांधली का पता चलने के बाद जनवरी 2023 में विमान का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया था। इस साल मार्च में यह विमान डोमिनिकन रिपब्लिक पहुंचा था।

फ्रांस में 10 साल तक कराया पत्नी का रेप: 72 में से 51 आरोपियों की पहचान हुई, आरोपी पति के खिलाफ ट्रायल शुरू

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में एक शख्स ने अपनी पत्नी को हर रात नशे की दवाएं देकर कई अनजान पुरुषों से उसका रेप करवाया। उसने यह कुकर्म 10 साल तक किया। आरोपी पति का नाम डोमिनिक पेलिकॉट (71 साल) है। वह बिजली कंपनी में कर्मचारी रह चुका है। फ्रांस 24 के मुताबिक पुलिस ने रेप के 91 मामलों में शामिल 72 लोगों की पहचान कर ली है। इसमें से 51 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनकी उम्र 26 से 73 साल के बीच है। आरोपियों में फायरमैन, लॉरी ड्राइवर, नगर निगम पार्षद, बैंक कर्मी, जेल गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक कईयों ने एक बार तो कुछ ने 6 बार यह अपराध किया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी और महिला की शादी को 50 साल हो गए हैं। महिला की उम्र 72 साल है। दोनों के 3 बच्चे भी हैं। अब इस मामले की एविग्नन कोर्ट में सार्वजनिक सुनवाई शुरू हो गई है। यह 20 दिसंबर तक चलेगी। महिला ने कहा कि वह नहीं चाहती कि इस मामले की बंद दरवाजे के पीछे सुनवाई हो। अपराधी तो यही चाहते थे कि वह छुपी रहे। पुलिस के मुताबिक आरोपी पेलिकॉट एक वेबसाइट के लिए जरिए पुरुषों के संपर्क में आता था और उनको बुलाता था। पत्नी को गहरी नींद में सुलाने के लिए वह खाने-पीने की चीजों में नींद की गोलियां मिला देता था। इसके बाद वह लोगों से रेप कराता था। वह वारदात की वीडियो भी बनाता था। रिपोर्ट के मुताबिक रेप की वारदात को 2011 से 2020 तक अंजाम दिया गया। महिला के वकील का कहना है कि पत्नी को इतनी अधिक बेहोशी की हालत में रखा जाता था कि उसे इस अपराध के बारे में कभी पता नहीं चल पाया। उसे इससे जुड़ी एक भी घटना याद नहीं है। वकील ने बताया कि जब पुलिस ने 2020 में एक अपराध की जांच के सिलसिले में महिला को बुलाया तब उसे इस चौंकाने वाली कहानी का पता चला।

विदेशों में भी हनुमान चालीसा की गूंज, दक्षिण अफ्रीका में 10 लाख प्रतियां बांट रहा हिंदू संगठन

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। अब विदेशों में भी हनुमान चालीसा की गूंज सुनने को मिलेगी। दक्षिण अफ्रीका में एक प्रमुख हिंदू संगठन ने हनुमान चालीसा की 10 लाख प्रतियां मुफ्त बांट रहा है। संगठन का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में छोटे आकार की प्रतियां लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। हनुमान चालीसा की यह प्रति जेब या पर्स में भी रखी जा सकती है। इसे दुनियाभर में सबसे छोटी प्रति माना जा रहा है। बीते शनिवार को विष्णु मंदिर में 'दान उत्सव के दौरान इसके वितरण की शुरुआत हुई। 'एसए हिंदूज' नामक संगठन की संस्थापक पंडित लूसी सिगाबन ने कहा, हमने आध्यात्मिक विकास, सामुदायिक सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण का उत्सव मनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के एक दर्जन से अधिक धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान हनुमान चालीसा की प्रति के प्रकाशक शेरेनो प्रिंटर्स के मालिक निरन सिंह को सम्मानित भी किया गया। कुछ साल पहले जोहानिसबर्ग में करीब 35 भजन मंडलियों ने मिलकर लगातार 12 घंटे तक भजन गाया था। इसमें भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी गायिका वंदना नारन ने छह धुनों पर हनुमान चालीसा गाई। ये धुनें अलग-अलग उम्र के लोगों के अनुसार बनाई गई थीं।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश को दरकिनार कर मंगोलिया पहुंचे पुतिन, मिला गार्ड ऑफ ऑनर

उलानबटार /मॉस्को, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश को दरकिनार कर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को मंगोलिया के दो दिवसीय दौरे पर राजधानी उलानबटार पहुंच गए। मंगोलिया पहुंचने पर राष्ट्रपति पुतिन को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मंगोलिया के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है।

आईसीसी ने पुतिन के खिलाफ जारी किया था गिरफ्तारी वारंट यूक्रेन पर हमले और यूक्रेन के सैकड़ों बच्चों को अनाथालयों और बाल गृहों से रूस लाने, जिससे रूस में रह रहे परिवार उन्हें गोद ले सकें। हालांकि, रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है और आईसीसी की वैधानिकता पर ही सवाल उठा दिया है। इन आरोपों में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके तहत आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय) के सभी सदस्य देशों को इस गिरफ्तारी वारंट का पालन करना था और रूसी राष्ट्रपति के उनके देश पहुंचने पर उन्हें गिरफ्तार करना था। यूक्रेन और कई मानवाधिकार संगठनों ने भी मंगोलिया की सरकार से आईसीसी के आदेश का पालन करने और पुतिन को हिरासत में लेने की अपील की थी। हालांकि राष्ट्रपति पुतिन के मंगोलिया में स्वागत को देखते हुए साफ लगता है कि मंगोलिया ने आईसीसी के आदेश को दरकिनार कर दिया है। रूस और चीन के साथ मंगोलिया के हैं अच्छे संबंध पुतिन को हालांकि मंगोलिया

पहुंचने पर कुछ मानवाधिकार समर्थकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। हालांकि मंगोलिया की सरकार ने पुतिन को पूरा सम्मान दिया। मंगोलिया में चंगेज खान के स्मारक को मंगोलिया और रूस के झंडे से रंग दिया गया। मंगोलिया एक लोकतांत्रिक देश है, जिसके रूस और चीन दोनों से अच्छे संबंध हैं। मंगोलिया के रूस के साथ सांस्कृतिक संबंध हैं, वहीं चीन के साथ व्यापारिक संबंध हैं। सोवियत संघ के समय मंगोलिया, मॉस्को के प्रभाव में था और जब साल 1991 में सोवियत संघ टूटा तो मंगोलिया ने रूस के साथ ही चीन के साथ भी अपने संबंधों को तवज्जो दी। रूसी मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगोलिया दौरे पर रूस-मंगोलिया कॉप्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप सहित द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। 2019 के बाद से पुतिन की यह पहली मंगोलिया यात्रा भी है। मंगोलिया और रूस के बीच रिश्ते मंगोलिया रूस और चीन के बीच कम आबादी वाला एक देश है और वह ईंधन एवं बिजली के लिए रूस पर एवं अपने खनन उद्योग में निवेश के लिए चीन पर काफी हद तक आश्रित है। सोमवार रात पहले जब पुतिन उलानबटार पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। पुतिन की पांच साल में देश की पहली यात्रा के लिए मंगलवार को मंगोलियाई और रूसी झंडों से राजधानी उलानबटार को सजाया गया।

उत्तरी फिलीपीन में तूफान का कहर: बाढ़ और भूस्खलन से 14 लोगों की गई जान

मनीला, एजेंसी। उत्तरी फिलीपीन में मंगलवार को जबरदस्त तूफान के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रतिक्रिया अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम ब्यूरो के अनुसार, उष्णकटिबंधीय तूफान 'यागी इलोकोस नोर्टे प्रांत के पाओय शहर से होते हुए दक्षिण चीन सागर में 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया और इसकी रफ्तार 125 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। समुद्र से उत्तर-पश्चिम की दिशा में दक्षिणी चीन की तरफ बढ़ने के दौरान 'यागी के चक्रवाती तूफान का रूप अख्तियार करने की आशंका है। उत्तरी फिलीपीन के अधिकतर प्रांतों में तूफान की चेतावनी बरकरार रही, जहां लोगों को बारिश से प्रभावित पहाड़ी गांवों में भूस्खलन और देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र लूजोन के निचले इलाकों में बाढ़ के खतरे के प्रति सतर्क किया गया। स्थानीय स्तर पर 'एनटेंग नाम से जाने जाने वाले 'यागी तूफान से फिलीपीन में मानसूनी बारिश में तेजी आई है। घनी आबादी वाले मनीला और लूजोन में

मूसलाधार बारिश के कारण मंगलवार को भी स्कूल और सरकारी कार्यालय बंद रहे। एंटिपोलो के आपदा न्यूनीकरण अधिकारी एनरिलिटो बर्नार्डो जूनियर ने बताया कि उत्तरी और मध्य प्रांतों में भूस्खलन, बाढ़ और नदियों में उफान के कारण कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मनीला के पश्चिम में स्थित रोमन कैथोलिक तीर्थ नगरी और पर्यटन स्थल एंटिपोलो की एक गर्भवती महिला शामिल है। बर्नार्डो ने बताया कि बाढ़ में कई घर बह जाने के कारण चार ग्रामीणों के लापता होने की खबर है। तूफान के मद्देनजर समुद्री यात्रा पर रोक और 34 उड़ानों को रद्द किए जाने के कारण सोमवार को बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए। राजधानी में नवोटास बंदरगाह के पास मनीला खाड़ी में खड़े प्रशिक्षण जहाज 'एम/वी कामिला को एक अन्य जहाज ने टक्कर मार दी, जिसने तेज लहरों के कारण संतुलन खो दिया था। फिलीपीन के तटरक्षक बल ने कहा कि टक्कर से 'एम/वी कामिला का नियंत्रण कक्ष क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद उस पर सवार 18 कैडेट और चालक दल के सदस्यों को जहाज छोड़ना पड़ा।

फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर आईडीएफ की तैनाती इजरायल के लिए रणनीतिक जरूरत : नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि गाजा-मिस्र बॉर्डर पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) को तैनात रखना देश की सुरक्षा के लिए रणनीतिक जरूरत और अनिवार्य है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि 14 किमी लंबी ये जमीन की पट्टी इजरायल के लिए अपने युद्ध उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि फिलाडेल्फी कॉरिडोर हमास को हथियार मुहैया कराने का एक मुख्य रास्ता है। 2005 के विघटन के बाद इजरायल ने मिस्र के साथ एक सीमा को छोड़कर गाजा की सभी सीमाओं को नियंत्रित किया। इसी सीमा के माध्यम से हथियार गाजा पट्टी तक पहुंचे और हमास के लोगों को हथियार दिए गए। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को यह सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण रखना चाहिए कि हथियारों की तस्करी न हो। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि हमास को वीकेंड में गाजा सुरंग में छह बंधकों की कथित हत्या के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। नेतन्याहू ने कहा, इजरायल इस नरसंहार को नजरअंदाज नहीं करेगा। हमास को इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आईडीएफ ने रविवार को कहा था कि दक्षिणी गाजा के राफा क्षेत्र में एक अंडरग्राउंड सुरंग में शनिवार को दो महिलाओं और चार पुरुषों के शव मिले थे। आईडीएफ

के अनुसार, बंधकों की हत्या इजरायली सैनिकों के पहुंचने से 48-72 घंटे पहले हमास आतंकवादियों ने की थी। इस बीच, हमास ने एक प्रेस बयान में साफ किया कि शव इजरायली सेना को राफा में एक सुरंग में मिले थे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इजरायली गोलाबारी में मारे गए। इजरायल में रविवार और सोमवार को लाखों इजरायली लोगों ने रैली निकाली। उन्होंने मांग की कि नेतन्याहू गाजा में बंधकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम पर बातचीत करें। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर अचानक हमला किया था। हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से ही इजरायल की सेना हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई योजना का किया ऐलान

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को एक नई विश्वसनीय टूर ऑपरेटर योजना (टीटीओएस) के निर्माण की घोषणा की। इसका शुरुआती फोकस भारत और चीन के उभरते पर्यटन बाजारों पर होगा। देश के गृह विभाग ने कहा कि जनवरी 2025 से लागू की जाने वाली इस योजना से वीजा प्रणाली में सुधार होगा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार में तेजी आने की उम्मीद है। टीटीओएस दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनने के रास्ते में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को दूर कर देगा।

देश की सरकार के अनुसार, फिलहाल दक्षिण अफ्रीका आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या केवल 3.9 प्रतिशत है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पर्यटन विभाग, साथ ही प्रेसीडेंसी और ऑपरेशन वुलिंडलेला के सहयोग से, गृह मंत्रालय ने इन दो प्रमुख बाजारों से पर्यटन के लिए बाधाओं को तत्काल दूर करने का संकल्प लिया है। इसमें कहा गया है, विश्वसनीय नियोक्ता योजना (टीईएस) के सकारात्मक प्रभाव को देखने के बाद, जो महत्वपूर्ण कौशल को आकर्षित करने के लिए जांचे-परखे और अनुमोदित व्यवसायों को त्वरित और सरलीकृत वीजा प्रसंस्करण सेवाएं प्रदान करती है, गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने निर्देश दिया कि लालफीताशाही को कम करने और भारत और चीन जैसे गैर-वीजा छूट वाले देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए दक्षता में सुधार करने के लिए समान सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए। टीटीओएस के

माध्यम से, दोनों देशों के सत्यापित और अनुमोदित टूर ऑपरेटरों को विभाग में पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

पूरी तरह से स्क्रीनिंग से गुजरने और अपने समूहों में यात्रियों की जिम्मेदारी संभालने के बदले में विभाग पहली बार अनुमोदित ऑपरेटरों के साथ यात्रा करने वाले भारतीय और चीनी पर्यटकों के समूह आवेदनों पर कार्रवाई करेगा।

टीटीओएस के माध्यम से संसाधित किए जाने वाले पर्यटक वीज़ा आवेदनों को निर्णायकों की एक समर्पित और कुशल टीम द्वारा संभाला जाएगा, ताकि त्वरित और विश्वसनीय प्रसंस्करण सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही प्रतिबंधात्मक लालफीताशाही को भी हटाया जा सकेगा, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन क्षमता को प्रभावित कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कई को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, खुद को सर्राफा व्यापारी समझने लगते हैं

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की टिप्पणी से राजस्थान में अफवाहों को बाजार गरम

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान चुनाव के बाद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समेत कई दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर भजनलाल शर्मा को सीएम की कुर्सी पर बैठाया था। कयास लगाए जा रहे थे कि बीजेपी आलाकमान का यह फैसला इतनी आसानी से वसुंधरा राजे के गले नहीं उतरेगा। अब वसुंधरा राजे सिंधिया ने ऐसी बात कह दी है, जिसने अफवाहों को फिर से हवा दे दी है। राजस्थान में बीजेपी नेतृत्व के अंदर कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बीजेपी के दिग्गज नेता और सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर अपने गृह राज्य राजस्थान के दौरे पर जयपुर पहुंचे। राजस्थान की बीजेपी इकाई ने उनके सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया जिसमें सीएम भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी समेत बीजेपी के कई बड़े नेता मौजूद थे। अभिनंदन समारोह में संबोधन में वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंच गए हों, लेकिन इनके पैर सदा जमीन पर रहते हैं। इसीलिए इनके चाहने वाले भी बहुत हैं। वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वे खुद को सर्राफा व्यापारी समझ बैठते हैं। वसुंधरा राजे की टिप्पणी को लोगों ने उनका निशाना भांपना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने कहा कि वसुंधरा का बयान सीएम भजनलाल पर कटाक्ष था, क्योंकि वह उनके सीएम बनने के बाद से नाराज हैं। जबकि कुछ कह रहे हैं राजे का निशाना मौजूदा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ पर था। मदन राठौड़ ने हाल ही में राजे की तारीफ करते-करते उनके बारे में एक अजीब टिप्पणी क दी थी। राजे की अनुपस्थिति के बारे में बोलते हुए राठौड़ ने कहा था जब वह दिल्ली आईं, तो मैं खुद देख रहा था।

बड़ी अजीब सी और कमजोर सी लग रही थीं। यह सब अनुमान है, फिर भी वसुंधरा राजे बीजेपी नेतृत्व को यह संदेश देने का प्रयास कर रही हैं कि वह प्रदेश की राजनीति में अब भी अपना वजूद रखती हैं। राजे कहा, पीएम के करीबी माथुर ऊपर से गरम और अंदर से नरम हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कमल खिलाकर असंभव को संभव कर दिखाया। विपक्षी कुछ भी कहें, गवर्नर रबर स्टैम्प नहीं होता। जैसा घुड़सवार होगा घोड़ा वैसे ही दौड़ेगा। ओम माथुर कुशल घुड़सवार हैं, जिन्हें लगाम खींचना और चाबुक चलाना अच्छे से आता है।

संक्षिप्त समाचार

फेम-3 पर काम कर रहे.....दो माह में योजना पेश कर दी जाएगी

नई दिल्ली । केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रीएच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने वाली योजना 'फेम' के तीसरे चरण को एक या दो माह में अंतिम रूप दे देगी। उन्होंने कहा कि एक अंतर-मंत्रालयी समूह इस योजना के लिए प्राप्त सुझावों पर काम कर रहा है। इसके साथ ही हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने व विनिर्माण (फेम) से जुड़ी योजना के पहले दो चरणों में पेश हुईं समस्याओं के समाधान के प्रयास हो रहे हैं। फेम-3 अस्थायी 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम' (ईएमपीएस) 2024 की जगह लेगी। इस योजना की अवधि सितंबर में समाप्त हो रही है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा, ''फेम-3 पर कई सुझाव आ रहे हैं कि फेम-1 और फेम-2 में जो खामियां थीं उन्हें कैसे दूर करेंज्म इस पर काम कर रहे हैं। यहां तक कि पीएमओ ने भी कुछ सुझाव दिए हैं। इसके लिए हमारा अंतर-मंत्रालयी समूह काम कर रहा है।'' फेम-3 को अंतिम रूप देने की समयसीमा के सवाल पर मंत्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि एक या दो महीने के भीतर इस पर काम पूरा होगा। यह पूछने पर कि क्या फेम-3 प्रस्ताव को एक या दो महीने में मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा मंत्री ने कहा, ''अब भी कई सुझाव आ रहे हैं। हमें उन सभी पर गौर करना होगाज्जो भी सबसे सही और सकारात्मक तरीका है, हमें उसके हिसाब से निर्णय लेने है। मोटर वाहन डीलर और कंपनियों के पास बिना बिके पड़े माल के बारे में पूछे गए सवाल पर कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें मोटर वाहन उद्योग से कई अनुरोध मिले हैं। उन्होंने कहा, ''हम उद्योग को मजबूत करने के लिए सबकुछ रहे हैं।'

चलती बोलेरो पर गिरा नीम का पेड़.....स्कूल प्रिंसिपल की मौत

जयपुर । जयपुर में चलती बोलेरो पर नीम का पेड़ गिर गया। इस हादसे में कार में सवार स्कूल प्रिंसिपल की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्रेन की मदद से पेड़ हटाकर बॉडी को बाहर निकाला। हादसा जयपुर ग्रामीण के गांव गठवाड़ी में सुबह साढ़े 7 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि गठवाड़ी के रहने वाले प्रिंसिपल प्रकाश चंद मीणा (58) स्कूल जा रहे थे। इस दौरान गांव के बाजार से निकलने के दौरान उनकी गाड़ी पर एक पुराना नीम का पेड़ गिर गया। पेड़ इतना भारी था कि बोलेरो की छत पूरी तरह पिचक गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रिंसिपल को निकालने की कोशिश करते रहे, लेकिन पेड़ को हटाया नहीं जा सका। इसके बाद क्रेन को बुलाकर कार से पेड़ हटाया गया। हालांकि, उनकी मौत पहले ही हो चुकी थी। गठवाड़ी सरपंच बाबूलाल मीणा ने बताया कि नीम का पेड़ काफी पुराना था और एक तरफ झुका हुआ भी था। सुबह जब प्रिंसिपल स्कूल जा रहे थे, तभी ये हादसा हो गया। सुबह करीब 8 बजकर 15 मिनट पर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से उनके शव को पास के प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कांग्रेस नेता के घर रेड डालने सुबह 4 बजे पहुंची ईडी

खन्ना । पंजाब में खन्ना के गांव इकोलाही में कांग्रेसी नेता राजदीप सिंह के घर ईडी की रेड हुई है। बता दें कि जालंधर से ईडी की टीम सुबह 4 बजे कांग्रेसी नेता के घर पहुंची। इकोलाही में राजदीप के घर जांच की जा रही है। एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी खन्ना में उसकी आढ़त की दुकान पर जांच की जा रही है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि यह जांच पूर्व मंत्री भरत भूषण आशु से जुड़े टेंडर घोटाले को लेकर है। अपने करीबी सिंह के घर और कारोबारी ठिकानों पर रेड के बाद पूर्व मंत्री गुरकीरत सिंह कोटली ने कोई टिप्पणी नहीं की। एक अन्य मुद्दे पर प्रेसवार्ता के दौरान दोनों हाथ जोड़कर पूर्व मंत्री कोटली ने कहा कि रेड का प्रेसवार्ता से कोई संबंध नहीं है।

नितेश राणे के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उनपर नफरती भाषण देने का आरोप लगा है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अपने भाषण में नितेश राणे ने मुस्लिमों को मस्जिद में घुसकर मारने की धमकी दी। भिवंडी में भोईवाड़ा पुलिस ने सोमवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 302 और 351 के तहत मामला दर्ज किया। एक सितंबर को नितेश राणे ने अहमदनगर जिले के श्रीरामपुर और तोपखाना इलाके में दो सभा को संबोधित करते हुए मुसलमानों को चेतावनी दी। उन्होंने हिंदू संत महंत रामगिरि महाराज के समर्थन में भाषण दिया। भाजपा विधायक ने चेतावनी दी कि अगर महाराज को नुकसान पहुंचाया गया तो इसका परिणाम भुगतना होगा।

महिला को मिला न्याय, सुप्रीम कोर्ट ने 30 लाख गुजारा भत्ता देने का दिया आदेश

पति के हक में बार-बार फैसला सुनाने पर पारिवारिक अदालत की आलोचना की

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला के तलाक मामले में न्यायिक प्रणाली की कड़ी आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में महिला और उसके बेटे के साथ न्याय नहीं हुआ। महिला की शादी 1991 में हुई थी और एक साल बाद उसने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद पति ने उसे छोड़ दिया और तलाक के लिए पारिवारिक अदालत में अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने तीन बार पति के पक्ष में तलाक का फैसला सुनाया, जबकि पति ने महिला या उनके बेटे के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं दी। महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसने कई बार पारिवारिक कोर्ट को फिर से विचार करने का आदेश दिया लेकिन हर बार पति को तलाक मिल गया। तीसरी बार, हाईकोर्ट ने पति को 20 लाख रुपए गुजारा भत्ता देने के साथ तलाक मंजूर कर लिया, जबकि स्थानीय अदालत ने महिला को 25 लाख रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुयान की पीठ ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि पति ने सालों तक महिला के साथ क्रूरता की और अपने बेटे के भविष्य की चिंता नहीं की। कोर्ट ने पारिवारिक अदालत के फैसलों की आलोचना भी की, जिसमें बार-बार पति के हक में फैसला सुनाया गया। कोर्ट ने यह भी माना कि पति-पत्नी 1992 से अलग रह रहे हैं, इसलिए तलाक का फैसला शर्तों के साथ बरकरार रखा गया है। कोर्ट ने पति को 20 लाख रुपए की जगह 30 लाख रुपए का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। साथ ही,कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस घर में महिला, उसका बेटा और उसकी सास रहते हैं, वह उनके पास ही रहेगा और पति को उस घर में हस्तक्षेप नहीं करने दिया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर पति के पास कोई और संपत्ति है, तो बेटे का उस पर प्राथमिकता के आधार पर अधिकार होगा। अगर पति ने इन आदेशों का पालन नहीं करेगा, तो तलाक का फैसला रद्द कर दिया जाएगा। कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह तीन महीने के अंदर गुजारा भत्ता का भुगतान करें, जिसमें 3 अगस्त, 2006 से सात फीसदी वार्षिक ब्याज भी शामिल हो। अगर पति ने समय पर भुगतान नहीं किया, तो पारिवारिक अदालत कानूनी कार्रवाई करेगी।

दिल्ली में केंद्र सरकार ने क्यों बढ़ाई उपराज्यपाल की शक्तियां

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

एमसीडी में 12 वार्ड समितियों के चुनाव से पूर्व केंद्र सरकार ने दिल्ली के उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ा दी हैं। एलजी को अब दिल्ली महिला आयोग, दिल्ली विद्युत नियामक आयोग जैसे किसी भी प्राधिकरण, बोर्ड और आयोग के गठन का पूर्ण अधिकार दे दिया गया है। गजट नोटिफिकेशन में बताया गया कि राष्ट्रपति ने संसद द्वारा अधिनियमित कानूनों के तहत दिल्ली के लिए किसी भी प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या वैधानिक निकाय का गठन और सदस्यों की नियुक्ति करने की शक्ति उपराज्यपाल को सौंपी है।

गजट अधिसूचना के बाद लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना ने एमसीडी वार्ड समिति चुनावों के लिए पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति की है।

इसके पहले मेयर शैली ओबेरॉय ने चुनाव कराने के लिए पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति करने से इंकार किया था। शैली का कहना था कि उनकी अंतरात्मा उन्हें अलोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देती है। अब उपराज्यपाल ने आदेश दिया है कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और स्थायी समिति के सदस्यों के पदों के लिए चुनाव निर्धारित कार्यक्रम (4 सितंबर) के अनुसार ही होगा।

अधिसूचना में कहा गया है, राष्ट्रपति निर्देश देती हैं कि दिल्ली के उपराज्यपाल, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए तथा अगले आदेश तक उक्त अधिनियम की धारा 45डी के खंड (क) के अधीन राष्ट्रपति की शक्तियों का प्रयोग किसी प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या किसी वैधानिक निकाय के गठन के लिए कर सकते है। चाहे उस किसी भी नाम से जाना जाता हो या इसतरह के प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या किसी वैधानिक निकाय में किसी सरकारी अधिकारी या पदेन सदस्य की नियुक्ति के लिए करेगा।

संविधान का अनुच्छेद 239 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से संबंधित है।

इसमें कहा गया है, संसद द्वारा कानून द्वारा अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर, प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश को राष्ट्रपति द्वारा उस सीमा तक प्रशासित किया जाएगा, जहां तक वह उचित समझे। एक प्रशासक के माध्यम से जिसे वह निर्दिष्ट पदनाम के साथ नियुक्त करेगा।

बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने किया ड्रग तस्करी रैकेट का पर्दाफाश

678 ग्राम हेरोइन बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

तरनतारन। (एजेंसी)

बीएसएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीएसएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार को एक ड्रग तस्करी रैकेट का पर्दाफाश कर प्रमुख ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ और पंजाब पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई की। उन्होंने एक संदिग्ध ड्रग तस्कर की पहचान की जो पंजाब के सीमावर्ती इलाके में सक्रिय था। इसकी जानकारी बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने एक्स पर पोस्ट कर दी है।

बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तरनतारन जिले के एक गांव में संयुक्त अभियान चलाकर एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने संदिग्ध की गतिविधियों पर नजर रखी और उसके ठिकाने पर छापा मारा। छापेमारी में टीम ने भारी मात्रा में ड्रग बरामद की है जिससे यह स्पष्ट हो गया कि आरोपी एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा है। पकड़े गए तस्कर के खुलासे के बाद दूसरे क्षेत्र में भी संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया है। उस जगह पर तलाशी दल ने 678 ग्राम वजन की हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। बता दें पिछले दिनों बीएसएफ ने ड्रग्स और गोला-बारूद ले जाने वाले सीमा पार ड्रोन हमलों को रोकने और घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा के पंजाब मोर्चे

पर एक अतिरिक्त बटालियन की तैनाती की मांग की थी। बल के पास वर्तमान में 500 किलोमीटर से ज्यादा लंबे मोर्चे की रक्षा के लिए करीब 20 बटालियन हैं, जिनमें से 18 सीमा पर तैनात हैं, जबकि बाकी करतारपुर गलियारे की जरुरतों को पूरा करने के लिए अमृतसर में अटारी चेक पोस्ट और गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक में तैनात की गई हैं।

कार टच होने पर युवकों ने वकील को धुना, 200 मीटर तक घसीटा

वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने शुरु की जांच, आरोपी अज्ञात

लुधियाना। (एजेंसी)

पंजाब के लुधियाना में कार का धक्का लगने पर हुए विवाद में कुछ युवकों ने दूसरे कार सवार वकील के साथ जमकर मारपीट कर दी। इसके बाद जब आरोपी मौके से जाने लगे तो वकील ने उन्हें रोकना चाहा तो आरोपियों ने वकील को कार से 200 मीटर तक घसीटा। इससे वकील बुरी तरह घायल हो गया। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल माडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक लुधियाना में कार से कुछ युवक जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में युवकों की कार एक वकील की कार से टच हो गई। इसके बाद दोनों ने कार रोकी और बाहर आने के बाद कहासुनी होने लगी। इसी बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि युवकों ने वकील के साथ मारपीट कर दी। वकील के साथ मारपीट करने के बाद युवक कार में सवार होकर जाने लगे, तभी वकील ने उन्हें रोकने की कोशिश की। वकील युवकों की कार पर बोनट पकड़कर लटक गए, तभी कार चला रहे युवक ने कार आगे बढ़ा दी। इसके बाद युवक वकील को 200 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। सड़क पर पानी भरा हुआ था, जिसकी वजह से कीचड़ हो गई थी। इसी बीच वकील कार से नीचे गिरकर घायल हो गया। इस घटना को मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। पुलिस ने वीडियो के आधार पर इस पर इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव से पहले बस सेवा ठप्प.....कर्मचारी हड़ताल पर

मुंबई ।(एजेंसी)

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव से पहले महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने वेतन और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है, इसकारण राज्य के कई हिस्सों में बस सेवाएं बाधित हो गई हैं। हड़ताल शुरू होते ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल का ऐलान गणेशोत्सव से चार दिन पहले किया गया, जिससे राज्य के कई हिस्सों में एसटी बसों का संचालन ठप हो गया है। यह त्यौहार महाराष्ट्र, विशेषकर तटीय कोंकण क्षेत्र में, सबसे बड़े पर्वों में से एक माना जाता है। एमएसआरटीसी ने पहले गणेशोत्सव के दौरान मुंबई, ठाणे और पालघर से 5,000 अतिरिक्त गणपति स्पेशल बसें चलाने की योजना बनाई थी, जो अब हड़ताल के कारण अधर में लटक गई है। एमएसआरटीसी प्रवक्ता ने बताया कि 11 ट्रेड यूनियनों की कार्य समिति द्वारा मध्यरात्रि से शुरू की गई हड़ताल के कारण राज्यभर में 250 बस डिपो में से 35 डिपो में पूरी तरह बस सेवाएं ठप हो गई हैं। अन्य डिपो में या आंशिक रूप से संचालन हो रहा है या बिल्कुल नहीं हो रहा है। इस हड़ताल से सबसे अधिक प्रभावित वे लोग हो रहे हैं जो 10 दिवसीय गणेश उत्सव के लिए अपने पैतृक स्थान जाना चाहते थे। गौरतलब है कि पिछले माह राज्य सरकार के साथ हुई वार्ता विफल होने के बाद एमएसआरटीसी कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता चुना है।

कर्मचारियों की मुख्य मांग है कि उन्हें राज्य सरकार के कर्मचारियों के बराबर वेतन दिया जाए। प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई क्षेत्र में बस सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं, लेकिन ठाणे क्षेत्र में यह आंशिक रूप से प्रभावित हैं। ठाणे के कल्याण और विट्ठलवाड़ी में बस सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। विदर्भ क्षेत्र को छोड़कर राज्य के अन्य हिस्सों में भी बस संचालन प्रभावित हुआ है। पुणे और नासिक जिलों के कई डिपो पूरी तरह बंद हैं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

अखिलेश की योगी को चुनौती.....

2027 में सारे बुलडोजर गोरखपुर भेज दूंगा

लखनऊ ।(एजेंसी)

सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रुख गोरखपुर की तरफ होगा। हार के बाद मुख्यमंत्री न खुद चैन से सो पा रहे हैं। न ही अधिकारियों को सोने दे रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि हमारे सीएम कहने को योगी हैं। लेकिन कभी-कभी बॉयोलॉजिस्ट बन जाते हैं। उन्हें डीएनए की चिंता है। मगर डीएनए का फुल फॉर्म नहीं बता सकते हैं। जो लोग बुलडोजर से डराते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री आवास का नक्शा पास है क्या? बुलडोजर दिमाग से नहीं, बल्कि स्टेयरिंग से चलता है।

दरअसल, लखनऊ में अखिलेश ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें कहा था- सरकार बनते ही सारे बुलडोजर गोरखपुर भेज दूंगा। सीएम योगी ने अखिलेश के बयान पर पलटवार किया। योगी ने कहा कि बुलडोजर पर हर आदमी का हाथ फिट नहीं हो सकता है। इसके लिए दिल और दिमाग दोनों चाहिए, जिसमें बुलडोजर जैसी क्षमता और दृढ़ प्रतिज्ञा होगी, वहीं बुलडोजर चला सकता है। दंगाइयों के सामने नाक रगड़ने वाले लोग बुलडोजर के सामने पस्त हो जाएंगे।

इसके बाद अखिलेश ने शिक्षक दिवस के एक पहले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि आज किसान, नौजवान और शिक्षक सबसे अधिक दुखी हैं। आज यूपी में कोई भी भर्ती हो, सब पर उंगली उठती है।

पुराने रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। माफिया किसे कहा जाता था। 2017 से पहले लूट थी क्या? जो अधिकारी लूट करवा रहे हैं, वे सीएम के इर्द-गिर्द हैं। लखनऊ में एक होटल में आग लगी थी, उसमें कई जान गई थी। क्या बुलडोजर की चाभी खो गई थी? उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हम सभी 10 सीटों पर चुनाव जीत रहे है। सोचिए बाराबंकी पुलिस एक लाख रुपए में समझौता करा रही है। अपराधियों का स्वागत हो रहा है। मुख्यमंत्री को सदमा लगा है। वे दिल्ली क्यों नहीं चले जाते? आरक्षण तभी बचेगा, जब भाजपा हटेगी। जानवरों की वजह से जान जा रही है, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। हम पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि संविधान खतरे में है। अधिकार छीने जा रहे हैं। जब इतने ही नाम बदले जा रहे हैं, तब मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) भाजपा पार्टी का भी नाम बदल दें, इस भारतीय जोगी पार्टी बना दें।

राहुल गांधी महिला पहलवान विनेश से मिले, राजनीति अखाड़े में उतरने की चर्चाएं शुरु

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया से मुलाकात की, जिसके बाद अटकलों का बाजार गरम हो गया है चर्चाएं शुरु हो गई है कि विनेश फोगाट राजनीति अखाड़े में उतर सकती हैं। विनेश फोगाट आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकती हैं।

राहुल गांधी और विनेश फोगाट ने हरियाणा की राजनीतिक स्थिति और आगामी चुनावों को लेकर बातचीत की। कांग्रेस विनेश की लोकप्रियता को भुनाने का प्रयास कर रही है, खासकर हरियाणा के

जाट बहुल इलाकों में, जहां उनकी एक अलग पहचान है। पूरी दुनिया में इस समय महिला पहलवान विनेश फोगाट की चर्चा है। पेरिस ओलंपिक में अपनी वेट कैटेगरी से मात्र 100 ग्राम ज्यादा वजन से वह डिसक्वालीफाई करार दे दी गई थीं। अब खबर आ रही है कि पेरिस से निराश होकर लौटी दिग्गज पहलवान के हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। हालांकि, विनेश किस पार्टी में शामिल होंगी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्वाधिराज पर्युषण का चतुर्थ दिवस वाणी संयम दिवस के रूप में हुआ समायोजित

क्रांति समय | सूरत, बुधवार को प्रातःकाल से संयम विहार में चतुर्मासरत जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में पर्वाधिराज पर्युषण के सभी उपक्रमों का अनवरत समायोजन प्रारम्भ हुआ. अर्हत् वंदना, प्रेक्षाध्यान, तात्त्विक विश्लेषण, आगम वाचन आदि कार्यक्रमों के द्वारा आध्यात्मिक गंगा की विभिन्न धाराएं प्रवाहित होने लगीं. निर्धारित समय पर महावीर समवसरण में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी पधारे तो पूरा परिसर जयघोष से गुंजायमान हो उठा. आचार्यश्री के महामंत्रोच्चार के साथ आज के मुख्य कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ. तीर्थ और तीर्थंकर के विषय के संदर्भ में मुनि मार्दवकुमारजी ने भगवान शांतिनाथ के विषय में अपनी प्रस्तुति दी. मुनि गौरवकुमारजी ने भगवान ऋषभ के संदर्भ में अपनी अभिव्यक्ति दी. लाघव और सत्य धर्म पर आधारित गीत का साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी ने संगान किया. मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने लाघव व सत्य धर्म की व्याख्या की. कल के सामायिक दिवस के संदर्भ में साध्वी वैराग्यप्रभाजी व साध्वी समत्वप्रभाजी ने गीत का संगान किया. वाणी संयम दिवस पर साध्वी प्रफुल्लप्रभाजी व साध्वी श्रुतविभाजी ने गीत का संगान किया.

साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी ने उपस्थित जनता को वाणी संयम दिवस के संदर्भ में उद्बोधन

प्रदान किया. तदुपरान्त भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने उपस्थित जनता को अपनी अमृतवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि परम आराध्य भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा का प्रसंग है. भगवान महावीर अपने अनंत पूर्व जन्मों में एकबार मनुष्य के रूप में उत्पन्न हुए, जहां उनका नाम नयसार पड़ा. लकड़ी के प्रयोजन से महाअटवी में जाना हुआ. मार्ग भूल जाने के कारण उस महाअटवी में साधु पधारे और उन साधुओं को नयसार ने अन्न का दान किया तो साधुओं ने उन्हें उपदेश दिया. नयसार के भव में उनकी आत्मा को समयकत्व की प्राप्ति हुई थी. इसलिए 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' का शुभारम्भ इसी भव से किया जाता है. सम्यकत्व से बड़ा रत्न नहीं होता है. चारित्र को सम्यकत्व पर निर्धारित रहना होता है, किन्तु सम्यकत्व को चारित्र की अपेक्षा नहीं होती है. इस कारण सम्यकत्व चारित्र से बड़ा होता है. सम्यकत्व स्वतंत्र भी हो सकता है. नयसार में सम्यकत्व का पालन भी किया. अपने जीवन में धर्म का अभ्यास भी किया. अनाग्रह भाव रखकर तत्व को समझने का प्रयास किया जाए तो नए ज्ञान की प्राप्ति भी हो सकती है. आदमी को अनाग्रह भाव रखने का प्रयास करना चाहिए. प्रथम देवलोक में नयसार की आत्मा उत्पन्न हुई. वहां के बाद पुनः आत्मा च्युत हुई और पुनः मनुष्य जन्म में पहुंची तो नयसार की आत्मा भगवान ऋषभ के पौत्र और चक्रवर्ती भरत के पुत्र मरिचि के रूप में उत्पन्न हुए. एकबार भगवान ऋषभ की प्रेरणा मरिचि को प्राप्त हुई और उसने साधुत्व का जीवन स्वीकार कर लिया. साधु बनने के बाद परिषहों को सहने में कठिनाई होने लगी और मरिचि ने उस साधुपन को छोड़कर अलग से ढंग से साधना प्रारम्भ की.

आचार्यश्री ने वाणी संयम दिवस के संदर्भ में पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि आदमी को अपनी वाणी का संयम रखने का प्रयास करना चाहिए. बोलना आवश्यक है, किन्तु वाणी का विवेक होना अतिआवश्यक होता है. विवेकपूर्ण वाणी वाणी संयम का ही एक माध्यम हो सकता है.

एक दिवस पूर्व ही आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में चतुर्मासरत और तपस्यारत साध्वी धैर्यप्रभाजी का देवलोक गमन हो गया था. इस कारण आज के मुख्य प्रवचन कार्यक्रम के दौरान उनकी स्मृतिसभा का भी समायोजन हुआ. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने साध्वी धैर्यप्रभाजी संक्षिप्त जीवन परिचय प्रदान करते हुए उनकी आत्मा के आध्यात्मिक गति करने की कामना की. आचार्यश्री ने उनकी आत्मा की शांति के लिए चतुर्विध धर्मसंघ के साथ चार लोगस्स का ध्यान किया. तदुपरान्त मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी, साध्वीप्रमुखाजी, साध्वीवर्याजी, साध्वी धैर्यप्रभाजी की संसारपक्षीया पुत्री साध्वी सिद्धार्थप्रभाजी, साध्वी सुमतिप्रभाजी, साध्वी जिनप्रभाजी, साध्वी हिमश्रीजी, साध्वी विशालप्रभाजी, साध्वी प्रांजलयशाजी, साध्वी हेमरेखाजी ने अपनी श्रद्धांजलि समर्पित की. श्री ताराचन्द बोहारा ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। साध्वी तेजस्वीप्रभाजी द्वारा रचित गीत को साध्वीवृंद ने प्रस्तुति दी. साध्वी सिद्धार्थप्रभाजी ने मुनि कौशलकुमारजी के भावनाओं को अभिव्यक्ति दी. साध्वीवृंद ने उनकी स्मृति में एक गीत का संगान किया. श्रीमती मधु बोहरा व श्री रमेशचन्द बोहरा ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी. सुश्री सेजल चोरड़िया आदि ने गीत का संगान किया. आचार्यश्री ने इस संदर्भ में कहा कि पर्युषण पर्व के दौरान साध्वी धैर्यप्रभाजी का प्रयाण हुआ. हमारे धर्मसंघ की एक साध्वी सदस्या अपनी संयम यात्रा को सम्पन्न करते हुए विदा हुई. उनकी आत्मा उत्थान करे और शीघ्र मोक्षश्री का वरण करे, मंगलकामना.

महिलाएं गर्भ संस्कार दें, बच्चों को साधु नहीं बना सकते तो अच्छा श्रावक बनाएं : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. ने बुधवार 4 सितंबर को पर्वाधिराज पर्युषण के पांचवे दिन प्रभुवीर जन्म वांचन पर प्रवचन करते हुए कहा कि कल्पसूत्र जीने की कला सिखाता है. जिंदगी में मां को कभी कष्ट मत देना. अपने आचार,व्यवहार,भाषा से कभी दुःख नहीं पहुंचाना चाहिए. संसार में हर मां अपने संतान पर प्रेम करती है. महिलाओं को गर्भ संस्कार देने की बात कहते हुए कहा बच्चा साधु नहीं बने कोई बात नहीं, लेकिन एक अच्छा श्रावक तो बनना चाहिए. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि गुरूवार सुबह नौ बजे व्याख्यान होगा. जिसमें भगवान महावीर का जीवन और उनकी साधना के बारे में श्रवण करेंगे. मास खमण और उसके पर वाले तपस्वियों का विशेष बहुमान बालचंदजी लुणीया परिवार द्वारा किया जाएगा. जाजम के लाभार्थी परिवार जाजम लेकर वाजते गाजते पधारे. पहले स्वप्न का सभी ने दर्शन किया. बदलते चिंतन तो संवरे जीवन का किताब का भी गुरूदेव के हाथों से विमोचन किया गया. आज शाम को 7 बजे प्रतिक्रमण हुआ. यह 51 वां चातुर्मास है. लाभार्थी संघवी दलीचंदजी मावाजी मरोडिया ने पारणा घर ले जाने का लाभ उठाया. साथ ही अन्य कार्यक्रमों के लिए धर्मानुरागी

श्रावकों ने उत्साह से ऊंची बोलियां लगाई. मनोज देसाई ने बताया कि पर्युषण पर्व पर धर्म आराधना व त्याग तपस्या का ठाट लगा हुआ है. चातुर्मास में कई बड़ी तपस्याये चल रही है. अभी तक 30 मास खमण सम्पन्न हो चुके है व लगभग 20 मास खमण गतिमान है. इसके अलावा तपस्वी रत्न सपना देवी सुरेशकुमार देसाई के 48 की तपस्या सम्पन्न हुई है. 51 की तपस्या के भाव है. इन्ही देसाई धमाणा परिवार में 14 सिद्धि तप विकासोन्मुख है. सैकड़ो सिद्धि तप,8,11,15 से 36 तक कि तपस्या के का क्रम जारी है. महावीर वांचन प्रवचन व बोलियों के दौरान मुकेश शर्मा, जयपाल, राजू तातेड़, नारायण डागा ने आचार्य प्रवर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया. संघ द्वारा सभी का बहुम्मान किया.

आर्ट कम्पीटशन में विजेताओं का किया सम्मान

क्रांति समय | सूरत, शनिवार को आयोजित इंटरस्कूल आर्ट कम्पीटशन में महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप सॉन्ग में सेकंड पोजीशन प्राप्त की. इस अवसर पर ट्रॉफी जीतने वाले बच्चों को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में सम्मानित किया गया.

भगवान महावीर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा इंटरनेशनल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम का आयोजन

क्रांति समय | सूरत, वेसू स्थित भगवान महावीर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा सोमवार को इंटरनेशनल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम का आयोजन से किया गया. कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर चेता देसाई ने बताया कि पीएचडी कर रहे लोगों एवं कॉलेज की फैकल्टी के लिए आयोजित कार्यक्रम में डेटा एनालिसिस, डेटा प्रोसेसिंग, फैक्टर एनालिसिस और रिसर्च पेपर कैसे लिखें जैसे विषयों को शामिल किया गया है. कार्यक्रम की शुरुआत के मौक़े पर पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शना जरदोश, बीएमयू के प्रेसिडेंट डॉक्टर संजय जैन, प्रोवोस्ट डॉक्टर मनोज कुमार, रजिस्ट्रार विजय मातावाला

सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें. आयोजन में डॉक्टर हर्षिता भाटिया एवं खुशबू लालवानी ने कोऑर्डिनेटर के रूप में भूमिका निभाई.